



श्रमसाधना



हम बनेंगे आपकी आवाज
रकें करें और वैनल से जुड़े

shramsadhnagwl@gmail.com

श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति

www.shramsadhnagwl.com

दैनिक सांध्यकालीन

वर्ष : 38, अंक : 66 ग्वालियर, मंगलवार 06 अक्टूबर 2026

डाक पंजीयन

RNI रजि. क्र. 50069/89

विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा- खाली पदों को तेजी से भरा जाएगा, मंडी निरीक्षक, उपयंत्री और डाटा एंट्री ऑपरेटर के पद भी शामिल

एक लाख सरकारी पदों पर सीधी भर्ती, मंडी बोर्ड में 1500 पद होंगे शामिल

भोपाल जीएनएस

मध्यप्रदेश में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए बड़ी खबर है। प्रदेश के विभिन्न सरकारी विभागों में करीब एक लाख पदों पर सीधी भर्ती की जाएगी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भर्ती अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में अब तक 85 हजार पदों पर नियुक्तियां की जा चुकी हैं। अब शेष रिक्त पदों को भी तेजी से भरने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

इस भर्ती अभियान में मंडी बोर्ड में 1500 से अधिक पदों पर सीधी भर्ती प्रस्तावित है। इनमें मंडी

निरीक्षक, उपयंत्री, सचिव और डाटा एंट्री ऑपरेटर सहित विभिन्न पद शामिल हैं। भर्ती के लिए संबंधित विभागों की ओर से जल्द विज्ञापन जारी किए जाने की उम्मीद है।

मंडी बोर्ड में 1500 से अधिक पद : मंडी बोर्ड में प्रस्तावित भर्ती में मंडी निरीक्षक के करीब 600 पद शामिल हैं। इसके अलावा तकनीकी पदों पर भी नियुक्तियां की जाएंगी। प्रशासनिक कार्यों के लिए सचिव के करीब 30 पद तथा डाटा एंट्री ऑपरेटर के 100 पदों पर भर्ती प्रस्तावित है।



इन पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता, आयु सीमा, परीक्षा पद्धति और आवेदन की तारीख की विस्तृत जानकारी आधिकारिक भर्ती विज्ञापन जारी होने के बाद ही स्पष्ट होगी। अभ्यर्थियों को सलाह

दी गई है कि वे संबंधित विभाग और भर्ती एजेंसी की आधिकारिक सूचनाओं पर नजर रखें।

कृषि विभाग में 3357 कर्मचारियों को पदोन्नति : मुख्यमंत्री ने कृषि विभाग में 3357 कर्मचारियों को पदोन्नति दिए जाने की जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि अब विभागों में पदोन्नति की प्रक्रिया नियमित रूप से संचालित की जाएगी। इसके लिए हर साल विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक कराने पर जोर दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लंबे समय से लंबित पदोन्नति के

मामलों को निपटाने के साथ ही भविष्य में ऐसी स्थिति नहीं बनने दी जाएगी। सरकारी कर्मचारियों को समय पर पदोन्नति मिलने से विभागों की कार्यक्षमता भी बढ़ेगी।

युवाओं को भर्ती का इंतजार : एक लाख पदों पर सीधी भर्ती की घोषणा से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को बड़ी उम्मीद जगी है। हालांकि फिलहाल सभी पदों का विभागवार और पदवार विवरण सार्वजनिक नहीं किया गया है। ऐसे में अभ्यर्थियों के लिए आधिकारिक अधिसूचना का इंतजार करना जरूरी होगा।

भर्ती परीक्षाओं की तैयारी कर रहे उम्मीदवार अभी से सामान्य ज्ञान, गणित, तर्कशक्ति, कंप्यूटर ज्ञान और संबंधित पद के विषयों की तैयारी शुरू कर सकते हैं। विज्ञापन जारी होने के बाद ही परीक्षा का पाठ्यक्रम और चयन प्रक्रिया स्पष्ट होगी।

सरकार का दावा है कि भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से पूरी की जाएगी और रिक्त पदों को अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रखा जाएगा। अब युवाओं की नजर भर्ती विज्ञापनों और परीक्षा की समय-सारणी पर है।

मधुमेह जांच शिविर में 150 से अधिक लोगों ने कराया परीक्षण



ग्वालियर जीएनएस

लायंस क्लब ऑफ ग्वालियर की ओर से इटालियन परिसर में निःशुल्क मधुमेह जांच एवं स्वास्थ्य जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 150 से अधिक लोगों ने मधुमेह की जांच कराई और चिकित्सकीय परामर्श लिया।

चिकित्सकों ने मधुमेह से बचाव, नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित खान-पान और स्वस्थ

जीवनशैली के संबंध में लोगों को जानकारी दी। साथ ही समय पर जांच कराने और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की अपील की। शिविर में एमजेएफ सी.एस. तोमर, नरेंद्र सिंघल, लायन नरेंद्र अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, एस.के. जैन, राम करण पारीक, पुनीत अग्रवाल, राहुल गोयल, अजय मित्तल, संदीप जैन, जगदीश अग्रवाल एवं जगदीश मित्तल सहित क्लब के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का दिया संदेश आंगन मिलन में गर्भवती माताओं की गोद भराई

ग्वालियर जीएनएस

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 38 स्थित नवगृह कॉलोनी के आंगनबाड़ी केंद्र में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गर्भवती माताओं की गोद भराई की गई और उन्हें गर्भस्थ शिशु एवं स्वयं के पोषण के लिए आवश्यक आहार वितरित किया गया।

कार्यक्रम में मोटे अनाज (श्रीअन्न) की प्रदर्शनी लगाकर इसके पोषण संबंधी महत्व की जानकारी दी गई। साथ ही लाइली लक्ष्मी योजना के प्रमाण-पत्र वितरित किए गए और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया। आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों को फल भी वितरित किए गए।



भाजपा जिला महामंत्री जवाहर प्रजापति ने कहा कि आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम मातृ शक्ति और आने वाली पीढ़ी के स्वस्थ भविष्य के प्रति सामाजिक

जिम्मेदारी का संकल्प है। स्वस्थ मां और स्वस्थ बच्चा ही मजबूत समाज एवं सशक्त राष्ट्र की नींव है। उन्होंने कहा कि बच्चों का स्वास्थ्य, पोषण और महिला

सशक्तिकरण विकसित भारत के निर्माण का महत्वपूर्ण आधार है।

उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार की महिला एवं बाल कल्याण योजनाओं को जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कार्यकर्ताओं का समर्पण स्वस्थ समाज के निर्माण में अहम योगदान दे रहा है।

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री डॉ. अंजलि रायजादा ने गर्भवती महिलाओं को सकारात्मक वातावरण में रहने और संतुलित आहार लेने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि गर्भावस्था के दौरान माताओं को प्रेरक प्रसंग और सकारात्मक बातें सुननी चाहिए। उन्होंने महिलाओं को पोषण और स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी भी दी।

यूथ कॉन्क्लेव में सीएम की घोषणाएं, स्टार्टअप के लिए 5 करोड़ का फंड; 12 नए मेडिकल कॉलेज और 12 विवि खोलने की योजना 2027 में दो बार होगी एमपीपीएससी परीक्षा, शोधार्थियों को हर महीने मिलेंगे 25 हजार

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को भोपाल के लाल परेड मैदान में आयोजित सीएम यूथ कॉन्क्लेव-2026 में युवाओं के लिए कई घोषणाएं कीं। उन्होंने वर्ष 2027 को प्रदेश में युवा वर्ष के रूप में मनाने की घोषणा करते हुए कहा कि अगले साल मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) की दो परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। इनमें एक विशेष परीक्षा भी शामिल होगी। इसके अलावा शोध करने वाले विद्यार्थियों की मासिक सहायता

राशि 16 हजार से बढ़ाकर 25 हजार रुपए करने की घोषणा की गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास, शोध और रोजगार से जोड़ने के लिए विभिन्न योजनाओं पर काम कर रही है। इसी क्रम में सरकारी कॉलेजों में प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क कोचिंग और सभी सरकारी कॉलेजों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्रयोगशालाएं स्थापित करने की योजना है।

शोधार्थियों को हर महीने



25 हजार रुपए : उच्च शिक्षा विभाग के माध्यम से शोध करने वाले विद्यार्थियों को अब हर महीने 25 हजार रुपए की सहायता देने की घोषणा की गई है। वर्तमान में यह राशि 16 हजार रुपए है। इसके

साथ ही प्रदेश के प्रत्येक विश्वविद्यालय में शोध कार्यों को प्रोत्साहित करने के लिए एक करोड़ रुपए का कोष रखने की योजना है। इससे विद्यार्थियों को शोध गतिविधियों के लिए आर्थिक सहयोग मिल सकेगा।

स्टार्टअप के लिए पांच करोड़ का कोष : युवाओं के नए विचारों और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार पांच करोड़ रुपए का आइडिया फंड बनाएगी। इसके माध्यम से रोजगार पैदा करने वाले नए व्यावसायिक विचारों और

स्टार्टअप को आगे बढ़ाने में मदद देने की योजना है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों के लिए जिला स्तर पर सरकारी कॉलेजों में निःशुल्क कोचिंग शुरू की जाएगी। इसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को भी तैयारी के समान अवसर उपलब्ध कराना है।

एक लाख युवाओं को मिलेगा कौशल प्रशिक्षण : मुख्यमंत्री ने प्रदेश के एक लाख युवाओं को कौशल विकास कार्यक्रम से जोड़ने की घोषणा की। इसके अलावा कॉलेजों के

विद्यार्थियों को रोजगार से जोड़ने के लिए प्लेसमेंट एजेंसी निर्धारित करने की योजना है। सरकार का उद्देश्य युवाओं को उद्योगों की जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है।

12 मेडिकल कॉलेज और 12 विश्वविद्यालय खोलने की योजना : प्रदेश में वर्ष 2027 के दौरान 12 नए मेडिकल कॉलेज शुरू करने की योजना है। मुख्यमंत्री ने हर महीने एक मेडिकल कॉलेज शुरू करने का लक्ष्य भी बताया।

प्रख्यात लेखक डॉ. शंभु पंवार की पुस्तक 'लोकसंत सौरभ' के कवर पेज का लोकार्पण

चिड़ावा, जीएनएस।

संत सौरभ के जीवन दर्शन, मानवीय मूल्यों और सेवा-चिंतन को अंतरराष्ट्रीय साहित्य के माध्यम से प्रस्तुत करने वाली वर्ल्ड रिकॉर्ड साहित्यिक पहल के क्रम में 26वें दिन 26वीं पुस्तक वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर लेखक, पत्रकार एवं साहित्यकार डॉ. शंभु पंवार की पुस्तक 'लोकसंत सौरभ' के कवर पेज का लोकार्पण सोमवार को खेतड़ी रोड स्थित झुंझुनू टाइम्स कार्यालय में आयोजित समारोह में किया गया। समारोह में साहित्य, पत्रकारिता एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी अनेक प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान ओबीसी आयोग के सदस्य पवन मार्वाडिया रहे, जबकि

अध्यक्षता दो राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित भगवत मर्मज्ञ, वाणी भूषण पंडित प्रभुशरण तिवाड़ी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार श्याम जांगिड़, पूर्व पार्षद एवं लेखक मनोहरलाल जांगिड़, झुंझुनू टाइम्स के हेड कृष्ण ढसा, पूर्व सरपंच सुभाष स्वामी सहित साहित्य एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े गणमान्य लोग उपस्थित रहे। लेखक डॉ. शंभु पंवार ने अतिथियों का स्वागत किया।

समारोह में राजस्थान ओबीसी आयोग के सदस्य पवन मार्वाडिया ने 'लोकसंत सौरभ' के कवर पेज का लोकार्पण किया। उन्होंने डॉ. पंवार की चार दशक लंबी पत्रकारिता यात्रा तथा साहित्य और सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की।



वरिष्ठ साहित्यकार श्याम जांगिड़ ने कहा कि डॉ. पंवार अपनी लेखनी के माध्यम से चिड़ावा और शेखावाटी क्षेत्र की पहचान को स्थानीय स्तर से अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचा रहे हैं। मनोहरलाल जांगिड़ ने कहा कि सीमित पारिवारिक परिस्थितियों के बावजूद डॉ. पंवार ने चार दशक की

पत्रकारिता यात्रा में मूल्यों और सिद्धांतों को बनाए रखते हुए अपनी लेखनी की विशिष्ट पहचान स्थापित की है।

वाणी भूषण पंडित प्रभुशरण तिवाड़ी ने डॉ. पंवार की लेखन शैली की सराहना करते हुए कहा कि पत्रकारिता के साथ साहित्य के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय रहना उनके रचनात्मक समर्पण को दर्शाता है।

डॉ. शंभु पंवार ने बताया कि 'लोकसंत सौरभ' में धरा धाम इंटरनेशनल के प्रमुख, मानद कुलपति, जगत धर्म चक्रवर्ती एवं सौहार्द शिरोमणि संत सौरभ जी महाराज के जीवन-दर्शन, विचार-यात्रा, सेवा-समर्पण, सामाजिक सरोकारों और मानव कल्याण के प्रयासों को केंद्र में रखा गया है। पुस्तक में संत सौरभ के आध्यात्मिक चिंतन एवं मानवीय मूल्यों के साथ धर्म, संस्कृति, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और विश्व-एकता के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों को भावी पीढ़ी के लिए प्रेरक दृष्टि से प्रस्तुत किया गया है।

इस अवसर पर चिड़ावा नगर पालिका चेयरमैन सुमित्रा सैनी ने भी पुस्तक के कवर पेज का

अवलोकन किया और डॉ. पंवार के लेखन की सराहना की। उन्होंने कहा कि डॉ. पंवार ने चार दशक से पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है तथा अब साहित्य के क्षेत्र में भी चिड़ावा का नाम देश-विदेश में रोशन कर रहे हैं। उन्होंने पुस्तक के लिए डॉ. पंवार को शुभकामनाएं दीं।

डॉ. शंभु पंवार की एक अन्य प्रकाशाधीन पुस्तक 'रिशों का आईना-तब और अब' भी शीघ्र ही पाठकों के बीच आने वाली है। इस पुस्तक को लेकर साहित्य प्रेमियों में उत्सुकता बनी हुई है।

डॉ. शंभु पंवार
(वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर)
अंतरराष्ट्रीय लेखक,
पत्रकार-विचारक एवं
समाजसेवक

जनगणना का कार्य अति महत्वपूर्ण कार्य है, इसे पूरी गंभीरता के साथ करें: कलेक्टर



ग्वालियर, जीएनएस।

जनगणना-2027 के द्वितीय चरण का कार्य फरवरी माह से प्रारंभ होगा। द्वितीय चरण में डोर-टू-डोर सर्वेक्षण के माध्यम से जनगणना का कार्य किया जायेगा। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान की उपस्थिति में जनगणना का दो दिवसीय प्रशिक्षण नगर निगम के बाल भवन सभागार में प्रारंभ हुआ। प्रशिक्षण में नगरीय निकाय से जुड़े अधिकारियों को जनगणना के संबंध में विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। जनगणना के दो दिवसीय प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर जनगणना निदेशालय भोपाल की उप निदेशक श्रीमती प्रेमा नायर, नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी, अपर कलेक्टर श्री अनिल बनवारिया, अपर आयुक्त श्री मुनीष सिकरवार, श्री प्रदीप तोमर सहित नगर निगम के जोनल अधिकारी, उनके सहायक और विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने प्रशिक्षण में कहा है कि जनगणना का कार्य अति महत्वपूर्ण कार्य है। सभी अधिकारी इसे पूर्ण गंभीरता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करें। द्वितीय चरण में घर-घर जाकर सर्वेक्षण का कार्य किया जायेगा।

सर्वेक्षण के दौरान घरों पर जाकर सर्वेक्षण करने के साथ-साथ ऐसे लोग जो घरों में निवास नहीं करते, उनका भी सर्वेक्षण किया जायेगा। सर्वेक्षण के दौरान कोई भी व्यक्ति छूटना नहीं चाहिए। शहरी क्षेत्र के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र में जनगणना का कार्य करने वाले कर्मचारियों को भी प्रशिक्षित किया जायेगा। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि जनगणना सर्वेक्षण के दौरान निर्धारित लिंक के माध्यम से भी आम नागरिक जनगणना के संबंध में जानकारी अपने घर से भेज सकेंगे। इसके साथ ही घर-घर जाकर भी सर्वेक्षण का कार्य किया जायेगा। प्रशिक्षण के दौरान जनगणना कार्य निदेशालय की उप निदेशक श्रीमती प्रेमा नायर ने भी जनगणना के तहत किए जाने वाले कार्यों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में सर्वेक्षण कार्य में लगे सभी जनगणना कर्मियों को अपने निर्धारित क्षेत्र में घर-घर जाकर सभी लोगों की जानकारी निर्धारित प्रपत्र में एकत्र करना होगी। जनगणना के कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या त्रुटि न हो, इसका विशेष ध्यान देना होगा।

कलेक्टर श्री वर्मा के निर्देश पर कोलारस में आबकारी टीम की कार्यवाही

शिवपुरी, जीएनएस।

जिले में अवैध शराब के कारोबार एवं परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा एवं आबकारी उपायुक्त श्री संदीप शर्मा के निर्देशन तथा जिला आबकारी अधिकारी श्री शुभम दांगोड़े के नेतृत्व में आबकारी विभाग की टीम द्वारा सोमवार को वृत्त कोलारस में सघन चेकिंग अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की गई।

कार्रवाई के दौरान आबकारी विभाग के वृत्त कोलारस प्रभारी श्री बृजराज शर्मा के नेतृत्व में

आबकारी टीम द्वारा कोलारस क्षेत्र में रोड चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान कोलारस-भड़ौता रोड से 15 लीटर अवैध हाथ भट्टी मदिरा एवं इसके परिवहन में उपयोग की जा रही एक मोटरसाइकिल (पंजीयन क्रमांक एमपी33जेडएन6604) को जब्त किया गया। जब्त की गई मदिरा एवं वाहन की कुल अनुमानित कीमत 1,03,000 रुपये आंकी गई है।

मामले में आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) एवं 49(क) के तहत 01 आपराधिक प्रकरण दर्ज किया

गया है। मौके से आरोपी श्री गोविंद पुत्र प्रेमनारायण केवट (निवासी ग्राम हरीपुर) को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहाँ से उसे जेल भेज दिया गया है।

अवैध कारोबार के खिलाफ सख्त कार्रवाई का संदेश

जिला आबकारी अधिकारी श्री शुभम दांगोड़े ने बताया कि आमजन से प्राप्त हो रही शिकायतों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में जिले में सघन चेकिंग अभियान लगातार चलाया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी नशीले

पदार्थों तथा अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री और परिवहन में लिस दोषियों के खिलाफ इसी प्रकार कड़ी वैधानिक कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि जिले में अवैध कारोबार पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके।

कार्रवाई में शामिल आबकारी टीम

उक्त सफल कार्रवाई में वृत्त प्रभारी श्री बृजराज शर्मा के साथ आबकारी उपनिरीक्षक श्री विनीत शर्मा, डॉ. तीर्थराज भारद्वाज, श्री राहुल गुप्ता सहित आबकारी मुख्य आरक्षक, आरक्षक एवं सैनिकों का सराहनीय योगदान रहा।

वार्ड क्रमांक 43 के कसेरावली क्षेत्र में आयोजित 'आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम' आयोजित हुआ

आंगनवाड़ी केंद्रों को केवल शासकीय सेवाओं के वितरण स्थल के रूप में नहीं, बल्कि सेवा, पोषण, सीखने, सहभागिता और सम्मान के जीवंत केंद्र के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से प्रदेशव्यापी 'आंगन मिलन सेवा' अभियान आयोजित किया जा रहा है। ओम प्रकाश जाजोरिया ने कहा अभियान का मुख्य उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों, माताओं, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं तथा अन्य पात्र हितग्राहियों तक पोषण, स्वास्थ्य एवं कल्याणकारी सेवाओं की नियमित और प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम के



मुख्य अतिथि पार्षद श्री संजय सिंघल जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी एवं मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुरूप प्रत्येक बच्चे को समय पर पौष्टिक आहार मिले और माताओं एवं बच्चों को शासन की योजनाओं का पूरा लाभ प्राप्त हो, यह हम सभी की प्राथमिकता है।

कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि श्री ओमप्रकाश जाजोरिया जी, मंडल उपाध्यक्ष भाजपा श्री पारस वरैया जी सुपरवाइजर सुनीता यादव जी अनीता वर्मा जी उर्मिला जैन गायत्री वर्मा शशि जैन सहित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएं एवं बड़ी संख्या में हितग्राही उपस्थित रहे।

पनवाडा में स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन

श्यापुरा। जन अभियान परिषद द्वारा संचालित नवांकुर संस्था सरस्वती महिला मंडल द्वारा सेवा संकल्प अभियान के तहत ग्राम पनवाडा में माँ अन्नपूर्णा देवी के दरबार में स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें उपस्थित लोगों ने झाड़ू लगाकर साफ सफाई की साथ ही स्वच्छता की शपथ ली। इस अवसर पर ग्राम पंचायत पनवाडा के सचिव श्री रामसिंह रावत सहायक सचिव श्री धीरज धाकड़, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती सुधा सिसोदिया, आशा कार्यकर्ता श्रीमती मिथलेश यादव, श्रीमती बिरजो यादव, आंगनवाड़ी सहायिका श्री अशोक कुमार श्रीवास, सीएचओ श्रीमती सरिता धाकड़, नवांकुर संस्था के अध्यक्ष श्री दीपक गुप्ता परामर्शदाता श्री बीरेन्द्र कुमार पाराशर, श्री रामवरन कुशवाहा, श्री सन्तोष यादव, श्रीमती राधिका आदिवासी आदि उपस्थित रहे।

सेवा-संकल्प अभियान: बच्चों के उज्ज्वल भविष्य और बेहतर शिक्षा के लिये सहयोग करना हमारी जिम्मेदारी - मंत्री श्री कुशवाह

ग्वालियर, जीएनएस।

प्रदेश के सामाजिक न्याय, दिव्यांगजन सशक्तिकरण एवं उद्यानिकी मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा है कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य और बेहतर शिक्षा के लिये उन्हें हर तरह की सुविधाओं और सहयोग करना हमारी जिम्मेदारी है। छात्र-छात्राओं को भी पूरी लगन के साथ पढ़ाई करना चाहिए ताकि वे जीवन में हर क्षेत्र में सफलता

हासिल कर सकें।

उद्यानिकी मंत्री श्री कुशवाह ने सोमवार को 'सेवा-संकल्प अभियान' के अंतर्गत आयोजित 'सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम के तहत छात्र-छात्राओं को शिक्षण सामग्री वितरण कार्यक्रम में यह बात कही। कार्यक्रम में जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को शिक्षण सामग्री का वितरण किया गया। गोल पहाड़िया स्थित हाईस्कूल में सेवा-



संकल्प अभियान के तहत सेवा मेरा

योगदान कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि,

विभागीय अधिकारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं उपस्थित थे। उद्यानिकी मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा छात्र-छात्राओं को शिक्षा के लिये अनेक सुविधाओं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मेधावी विद्यार्थियों को स्कूटी प्रदान करने के साथ-साथ जरूरतमंद विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिये

भी हर संभव सहयोग प्रदान किया जा रहा है। कार्यक्रम में जिला महामंत्री श्री जवाहर प्रजापति, श्री राजू पालैया, श्री भगवान सिंह कुशवाह, श्रीमती अंजलि पालैया, श्रीमती यामिनी पराडे, श्री संजीव पोतनीस, श्री सत्यपाल जादौन, श्री विनय शर्मा, श्री गौरव बाजपेयी एवं प्राचार्य श्री दिवारी लाल कुशवाह सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

विश्व शिक्षक दिवस पर शिक्षिकाओं के साथ छात्राओं को किया सम्मानित

ग्वालियर, जीएनएस।

बेटी है तो कल है सामाजिक संस्था वार्ड 45 की उपाध्यक्ष अमृता गुप्ता ने बताया कि आज अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के अवसर पर संस्था द्वारा सनातन धर्म उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में उत्कृष्ट छात्राओं को सम्मानित किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष कमल माखीजानी थे अध्यक्षता संस्था संयोजक डॉ वंदना भूपेन्द्र प्रेमी ने

की विशिष्ट अतिथि प्राचार्य संतोष दीक्षित उपस्थित थे।

संचालन विनय आवले एवं आभार रवि दुबे ने व्यक्त किया।

सर्व प्रथम अतिथियों द्वारा मां सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर संस्था संयोजक डॉ वंदना भूपेन्द्र प्रेमी ने कहा कि आज अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के अवसर पर हमारी संस्था द्वारा सनातन धर्म उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की 21 छात्राओं को सम्मानित करने का



आयोजन किया है साथ ही विद्यालय की महिला शिक्षिकाओं को भी सम्मानित किया जाएगा

क्योंकि गुरु के बिना ज्ञान की प्राप्ति नहीं हो सकती। वहीं मुख्य अतिथि कमल माखीजानी ने कहा कि

संस्था द्वारा कई वर्षों से सराहनीय कार्य किए जा रहे हैं। वहीं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान को डॉ वंदना भूपेन्द्र प्रेमी द्वारा कई वर्षों से निरंतर चलाया जा रहा है में उनको एवं उनकी टीम को बधाई देता हूँ वहीं उन्होंने कहा कि हमें हमारे शिक्षकों का सम्मान सदैव करना चाहिए। तत्पश्चात विद्यालय की 21 छात्राओं को मेडल पहनाकर सर्टिफिकेट प्रदान किए। वहीं जिलाध्यक्ष कमल

माखीजानी ने अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक दिवस पर विद्यालय की सुमन शर्मा, रजनी साहनी, रचना गुप्ता, भावना वर्मा, सिद्धार्थी तिवारी, रंजना निगम, पूजा बत्रा, दीपमाला तिवारी, नंदनी शर्मा, वंदना माहोर, उदित पाल, जागृति दीक्षित, पूनम गुप्ता को माला पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर रवि शर्मा, रवि दुबे, अमृता गुप्ता, सविता गुप्ता, गुंजन अग्रवाल, साक्षी चौहान, कामनी पाल, सहित संस्था परिवार कि सदस्य उपस्थित रही।

पीएमसीओई शासकीय पी.जी. कॉलेज दतिया में 'सेवा मेरा योगदान' के तहत स्वच्छता अभियान और मतदाता जागरूकता का आयोजन

उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन के आदेशानुसार, पीएमसीओई शासकीय स्नातकोत्तर (पीजी) महाविद्यालय दतिया में %सेवा संकल्प अभियान 2026% के अंतर्गत विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों की श्रृंखला जारी है। इसी क्रम में आज महाविद्यालय के एनसीसी (राष्ट्रीय कैडेट कोर) विभाग द्वारा परिसर में एक वृहद स्वच्छता एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के तहत महाविद्यालय परिसर में गहन स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें प्लास्टिक उन्मूलन, साक्षरता अभियान और स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने पर विशेष जोर दिया गया। इस पूरे कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. जयश्री त्रिवेदी ने की।

इस पुनीत कार्य में महाविद्यालय के इको क्लब और उसकी प्रभारी डॉ. चारु सिंह ने विशेष रूप से अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम में प्रो सुधीर कुमार पांडे, डॉ. एम. चंद्रशेखर और डॉ. राममिलन



केवट का भी सराहनीय सहयोग रहा, जबकि पूरे आयोजन को सफल बनाने में एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट नाजिश शेख ने बतौर संयोजक मुख्य भूमिका निभाई। सफाई अभियान में एनसीसी कैडेट्स ने बटु-चटकर श्रमदान किया, जिसमें कैडेट नैना अहिरवार, रितु माझी, साक्षी अहिरवार, दीपा प्रजापति, विवेक अहिरवार, राज वंशकार, शिवम अहिरवार, भूपेन्द्र केवट, अनुज कान्त कुशवाहा, अमन हरखार, निखिल अहिरवार और मनोज गौतम ने अपनी सक्रिय भागीदारी निभाते हुए पूरे परिसर को साफ-सुथरा बनाने में विशेष सहयोग दिया।

स्वच्छता अभियान के साथ ही परिसर में राष्ट्रीय दायित्वों को

निभाते हुए %मतदाता जागरूकता कार्यक्रम% का भी आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं को निष्पक्ष और जागरूक मतदान करने की महत्वपूर्ण शपथ दिलाई गई। दोनों ही कार्यक्रम में इस अवसर पर मतदाता जागरूकता अभियान की संयोजक डॉ. ममता शर्मा, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) प्रभारी डॉ. मनोरमा सिंह, डॉ. सीमा मारगिट सिंह, डॉ. शिव सिंह, श्री हितेंद्र श्रीवास्तव, डॉ. रतिका रस्तोगी, डॉ. सुनीता यादव, डॉ. ज्योति जायसवाल और डॉ. अरविन्द परिहार सहित महाविद्यालय के कई प्राध्यापक, स्टाफ और भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

वार्ड क्रमांक 33 व 34 में चला स्वच्छता अभियान

गुना, जीएनएस।

नगर पालिका परिषद गुना द्वारा चलाए जा रहे विशेष स्वच्छता अभियान के अंतर्गत आज कैंट क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 33 एवं 34 में स्वच्छता अभियान चलाया गया इस दौरान वार्ड के कुम्हार मोहल्ला, मातापुरा विवेक कॉलोनी आदि क्षेत्रों में सघन स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान कचरे का निस्तारण कर तत्काल कचरा भरवारा गया, साथ ही क्षेत्र में बंद पड़ी स्ट्रीट लाइट चालू कराई गई।

अभियान के दौरान जनप्रतिनिधियों में देवेन्द्र गुप्ता, सूर्यकांत जगताप, रविंद्र सिंह रघुवंशी, नीरज निगम, बूज नारायण शर्मा, अंकुर श्रीवास्तव



आदि के साथ वार्ड पार्षद सचिन धूरिया आदि उपस्थित रहे। नगर पालिका परिषद गुना की ओर से सहायक यंत्री सुनील कुमार जैन, उपयंत्री नितिन चंदेल, रामवीर शर्मा, विद्युत शाखा

प्रभारी नरेंद्र नोनेरिया एवं स्वच्छता शाखा के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे। स्वच्छता अभियान कैंट मुक्तिधाम में किया जाएगा, जहां मुक्तिधाम की सफाई कराई जाएगी।

अवैध खनन और परिवहन पर खनिज विभाग की कार्रवाई, जेसीबी और ट्रैला जब्त

ग्वालियर, जीएनएस।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर अवैध खनन एवं खनिज परिवहन के विरुद्ध खनिज विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। प्रभारी अधिकारी खनिज श्री पंकज ध्वज मिश्रा के मार्गदर्शन में विभागीय टीम ने गत दिवस आंतरी थाना क्षेत्र के ग्राम भारस में अवैध खनन के मामले में कार्रवाई करते हुए एक जेसीबी मशीन जब्त की।

सूचना के आधार पर खनिज विभाग की टीम ने ग्राम भारस में शिकायतित स्थल का निरीक्षण किया। मौके पर एक जेसीबी मशीन द्वारा खनिज मुरम का अवैध खनन किया जाना पाया गया।

टीम ने जेसीबी मशीन को जब्त कर संबंधित थाने की अभिरक्षा में रखवाया है। इसी क्रम में रात्रि के समय बेरजा-विजौली टोल एवं मेहरा टोल क्षेत्र में खनिज के अवैध परिवहन की जांच की

गई। जांच के दौरान एक ट्रैला खनिज गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए पाया गया।

कार्रवाई करते हुए ट्रैला भी जब्त कर संबंधित पुलिस चौकी की अभिरक्षा में रखा गया है। जब्त किए गए दोनों वाहनों के संबंध में मध्य प्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण) नियम, 2022 के अंतर्गत नियमानुसार कार्रवाई प्रस्तावित की जा रही है।

सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत लक्ष्मीगंज आयुष्मान केंद्र में स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन

ग्वालियर, जीएनएस।

मध्य प्रदेश शासन के योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के अंतर्गत संचालित मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद ग्वालियर से संबद्ध नवांकुर संस्था सफल युवा मंडल ग्वालियर द्वारा आज शासकीय लक्ष्मीगंज आयुष्मान केंद्र में एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम परिषद द्वारा आयोजित सेवा संकल्प अभियान-



2026 के तहत सेवा मेरा योगदान (दिनांक 02 से 10 अक्टूबर 2026) अभियान की श्रृंखला के अंतर्गत गतिविधि क्रमांक-2 के रूप में संपन्न हुआ। इस अभियान

की मुख्य प्रेरणा सेवा से जनभागीदारी और जनभागीदारी से जनआंदोलन की मूल भावना है। शिविर में स्थानीय नागरिकों को सुलभ और निःशुल्क लोक-स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सकीय परामर्श सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। इस पुनीत कार्य में स्वास्थ्य विभाग के कुशल चिकित्सकीय दल ने अपनी

अनुकरणीय सेवाएं प्रदान कीं। शिविर में मुख्य रूप से नर्सिंग ऑफिसर श्रीमती अनीता दलबीर, बंटी मेहता, रूपेंद्र सिकरवार, मोनिका उडके तथा टेक्नीशियन संदीप अटल सहित सहायक स्टाफ सदस्य कमला बाई एवं ममता वाल्मीकि ने अग्रिम मोर्चे पर रहकर मरीजों का सुचारु रूप से स्वास्थ्य परीक्षण व उपचार सुनिश्चित किया। कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए सफल युवा

मंडल के अध्यक्ष अरविंद कुशवाहा ने विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस 9 दिवसीय विशेष सेवा संकल्प अभियान (02 से 10 अक्टूबर) का मुख्य ध्येय समाज के अंतिम छोर पर बैठे हर जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंचना है। उन्होंने कहा कि परिषद के मार्गदर्शन में संस्था स्वास्थ्य शिविरों, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और समाज के वंचित वर्गों की सेवा हेतु निरंतर प्रतिबद्ध है।

भिण्ड-गोरमी
के
समाचार
विज्ञापन
के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

श्रीजी
Har Khushi Ki Pahali Pasand
SCAN TO SHOP
OUR NEW PRODUCT

શ્રમસાધના

संपादकीय

सत्याग्रह से बिखरी आवाजों को एक सूत्र में पिरोने की कोशिश

लोकतंत्र केवल चुनाव, संसद और सरकारों तक सीमित नहीं है। लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति उस आवाज में भी निहित होती है, जो अपने अधिकार, न्याय और सम्मान के लिए व्यवस्था के सामने सवाल खड़ा करती है। भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में महात्मा गांधी का सत्याग्रह इसी सवाल को अहिंसक संघर्ष और नैतिक आग्रह की शक्ति में बदलने का एक महत्वपूर्ण उदाहरण रहा है। ऐसे समय में जब देश के अलग-अलग हिस्सों में विभिन्न मुद्दों को लेकर आंदोलन और विरोध सामने आते रहते हैं, कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा '%सत्याग्रह' नामक डिजिटल मंच की शुरुआत को इसी संदर्भ में देखा जा सकता है। यह मंच ऐसे समय में आया है जब सत्ता पक्ष के खिलाफ धीरे-धीरे विपक्ष एकजुट हो रहा है। हालांकि अभी समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी खुलकर राहुल के साथ नहीं दिखाई दे रहे हैं क्योंकि यूपी - पंजाब में आने वाले समय में चुनाव है।

जन मानस के विरोध को भांपते हुए राहुल गांधी ने तीन अक्टूबर को इस डिजिटल मंच की शुरुआत की। इसके माध्यम से देश के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे मुद्दा आधारित आंदोलनों और संघर्षों को एक साझा डिजिटल मंच पर लाने की कोशिश की गई है। मंच पर लोग अपने आंदोलन और मुद्दे की जानकारी साझा कर सकते हैं तथा इंटरैक्टिव मैप के माध्यम से देश के दूसरे हिस्सों में समान प्रकृति के संघर्षों की जानकारी भी प्राप्त कर सकते हैं।

राहुल गांधी ने अपने संदेश में कहा कि देशभर में लोग अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं और कई बार उनकी आवाज अकेली रह जाती है। उन्होंने युवाओं, छात्रों, किसानों, आदिवासियों, दलितों और महिलाओं सहित विभिन्न समूहों के संघर्षों का उल्लेख करते हुए लोगों से अपनी समस्याओं और आंदोलनों को इस मंच पर साझा करने का आह्वान किया। उनका कहना है कि जब अलग-अलग संघर्षों की जानकारी एक जगह उपलब्ध होगी, तो एक मुद्दे से जुड़े लोग दूसरे स्थानों पर चल रहे समान संघर्षों से जुड़ सकेंगे। यहां सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या डिजिटल मंच वास्तव में बिखरी हुई आवाजों को प्रभावी सामाजिक शक्ति में बदल सकता है? इसका उत्तर केवल राजनीतिक अपील में नहीं, बल्कि इस बात में छिपा होगा कि मंच कितनी व्यापकता से लोगों तक पहुंचता है और वहां आने वाली शिकायतों एवं आंदोलनों को किस प्रकार व्यवस्थित किया जाता है। भारत जैसे विशाल और विविध देश में जमीन, वनाधिकार, शिक्षा, परीक्षाओं, रोजगार, महिलाओं के अधिकार, सामाजिक न्याय, दलित एवं ओबीसी अधिकार जैसे अनेक विषयों पर अलग-अलग स्तर पर आंदोलन होते रहे हैं। कई बार स्थानीय स्तर का कोई संघर्ष राष्ट्रीय विमर्श तक नहीं पहुंच पाता। मीडिया की सीमित पहुंच, संसाधनों की कमी और आंदोलनकारी समूहों के बीच समन्वय का अभाव इसके कारण हो सकते हैं। %सत्याग्रह' मंच की घोषित भूमिका ऐसे संघर्षों को दृश्यता और आपसी संपर्क उपलब्ध कराने की है। लेकिन किसी भी डिजिटल मंच की सफलता केवल उसके नाम या उद्देश्य से तय नहीं होती। उसकी विश्वसनीयता इस बात से निर्धारित होगी कि उस पर आने वाली सूचनाओं की पुष्टि कैसे होती है, विभिन्न पक्षों को अपना दृष्टिकोण रखने का अवसर कितना मिलता है और शिकायतों को राजनीतिक प्रचार से अलग रखते हुए किस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है।

ग्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर
जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530

प्रांतीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209

प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345

Email:shramsadhnagwl@gmail.com

विदेशी अंशदान को नियमित करना आज के समय की आवश्यकता

वैश्विक स्तर पर आज विभिन्न देशों के बीच भौगोलिक सीमाएं जैसे समाप्त सी होती दिखाई दे रही हैं। एक तरह से आज हम एक वैश्विक गांव में निवास कर रहे हैं। इन परिस्थितियों के बीच एक देश से दूसरे देश में सहायता के रूप में धनराशि को हस्तांतरित करना भी बहुत आसान बन गया है। धनराशि का हस्तांतरण करने का उद्देश्य सचमुच में यदि छोटे, अविकसित अथवा विकासशील देशों की मदद करना हो तो इसका स्वागत किया जाना चाहिए। परंतु, आज कुछ देश अन्य देशों में राजनैतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक उथल पुथल करने के उद्देश्य से धनराशि का हस्तांतरण करने का प्रयास करने लगे हैं। विशेष रूप से विकसित देश अपनी औपनिवेशिक, विस्तारवादी एवं भूमंडलकारी नीतियों के अंतर्गत इन देशों में गैर सरकारी संस्थाओं (हत्तह), न्यास एवं सामाजिक संगठनों एवं संस्थानों के माध्यम से अथवा अन्य माध्यमों से भारी मात्रा में धनराशि का हस्तांतरण करते हैं ताकि इन देशों के गरीब नागरिकों का धर्म परिवर्तन कर उन्हें ईसाई अथवा मुसलमान बनाया जा सके। हालांकि, धनराशि का हस्तांतरण कुछ अन्य घोषित उद्देश्यों जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, धार्मिक, अनुसंधान, मानवीय सेवाओं और आपदा राहत आदि क्षेत्रों में इन देशों की सहायता करने का रहता है। हाल ही में, श्रीलंका, नेपाल, बंगलादेश आदि छोटे विकासशील देशों में सत्ता परिवर्तन करने में भी विदेशी अंशदान की विशेष भूमिका रही है।

विदेशी अंशदान को नियमित करने हेतु विभिन्न देशों में बनाए जाने लगे कानून : वैश्विक स्तर पर कुछ देशों में जब अन्य देशों द्वारा भेजी

जाने वाली राशि का उपयोग इन देशों के नागरिकों का धर्म परिवर्तन करने में अथवा निर्धारित उद्देश्यों के अतिरिक्त होता हुआ दिखाई देने लगा तो कई देशों ने विदेशी अंशदान को नियमित करने के उद्देश्य से कानून बनाए जाने के बारे में विचार करना शुरू किया और कालांतर में इन देशों यथा संयुक्त राज्य अमेरिका (1938), आस्ट्रेलिया (2018), कनाडा (2024), यूनाइटेड किंगडम (2025), आदि देशों में इस संदर्भ में कुछ सख्त कानून बनाए भी गए। यूरोपीय संघ भी वर्तमान में ऐसी ही व्यवस्था को विधिक रूप देने की प्रक्रिया में है। भारत भी इससे अछूता नहीं रह सका एवं भारत में पात्र संस्थानों द्वारा विदेशी योगदान प्राप्त करने और उसके उपयोग को नियमित करने के उद्देश्य से वर्ष 1976 में विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (सहबद्धदृष्ट श्रुतहृद्धइहहृद्धश्रुत र्हद्रहृद्धइहहृद्धश्रुत ह् - सहृत्त) बनाया गया। इस अधिनियम को भारत में लागू करने का मुख्य उद्देश्य भारत में विदेशी अंशदान में पारदर्शिता, जवाबदेही, कानूनी अनुपालन, वैध कार्यों को सक्षम बनाना, जनविश्वास, सुनिश्चित करना है। साथ ही, राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता और व्यापक राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना है। अमेरिका में वर्ष 1938 में बनाए गए कानून में परिस्थिति अनुसार वर्ष 1960 में एवं समय समय पर संशोधन भी किए गए हैं।

भारत की तुलना में अन्य देशों में कानून सख्त : भारत में एफसीआरए गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) और धार्मिक एवं राजनैतिक संगठन, जो विदेशी अंशदान प्राप्त करते हैं, पर लागू होता है। जबकि कुछ अन्य देशों में तुलनीय वैश्विक

कानून का कार्यक्षेत्र विस्तृत हैं एवं यह लॉबिस्ट, जनसंपर्क (पीआर) फर्म, थिंक टैंक, विश्वविद्यालय तथा कंपनियों सहित उन सभी संस्थाओं या व्यक्तियों पर लागू होते हैं, जो किसी विदेशी प्रधान का निर्देश पर कार्य करते हैं, चाहे वे किसी भी क्षेत्र से संबंधित हों।

भारत में एफसीआरए में पूर्व में भी संशोधन किए जाते रहे हैं :
भारत में समय समय पर भारत सरकार द्वारा विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम में तात्कालिक परिस्थितियों के अनुरूप संशोधन भी किए जाते रहे हैं। यह परिवर्तन विदेशी अंशदान को निरुत्साहित करने के उद्देश्य से नहीं बल्कि पारदर्शिता को सुदृढ़ करने, अधिक प्रकटीकरण करने, मजबूत जवाबदेही सुनिश्चित करने और बेहतर प्रशासन व्यवस्था स्थापित करने के उद्देश्य से किए गए हैं। भारत ने विदेशी अंशदान की प्राप्ति और उसके उपयोग के विनियमन के लिए 1976 में पहला विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम लागू किया था। जैसे जैसे अंतरराष्ट्रीय सहभागिता बढ़ी और सीमापार वित्तीय प्रवाह अधिक जटिल होता गया, विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम में कुछ महत्वपूर्ण संशोधन किए गए। वर्ष 1984 में संशोधन के माध्यम से विदेशी धन प्राप्त करने वाले सभी गैर-सरकारी संगठनों के लिए गृह मंत्रालय में पंजीकरण कराना अनिवार्य किया गया, न्यायाधीशों को अधिनियम के दायरे में लाया गया, विदेशी अंशदान और राजनीतिक दल की परिभाषाओं का विस्तार किया गया तथा लेखापरीक्षण संबंधी शक्तियां जोड़ी गईं। एफसीआरए, 2010 ने

1976 के अधिनियम का स्थान लेते हुए उसे समेकित किया और अधिक सुदृढ़ अनुपालन ढांचा स्थापित किया। इसे 26 सितंबर 2010 को राष्ट्रपति की स्वीकृति प्राप्त हुई। इसके माध्यम से किए गए प्रमुख संशोधनों में शामिल हैं, प्रत्येक पांच वर्ष में पंजीकरण का अनिवार्य नवीनीकरण, पंजीकरण के लिए विस्तृत एवं कठोर शर्तें, पंजीकरण का निलंबन, निरस्तीकरण, परिसंपत्तियों का निहित होना तथा अपराधों का शमन (कम्पाउंडिंग)। वर्ष 2011 में विदेशी अंशदान (विनियमन) नियम अधिसूचित किए गए, जिनके माध्यम से पंजीकरण, नामित बैंक खातों और प्रतिवेदन प्रारूपों को क्रियान्वित किया गया। वर्ष 2020 में प्रमुख संशोधन अधिनियम लाया गया। इसके अंतर्गत संस्थानों के पदाधिकारियों के लिए आधार/पासपोर्ट पहचान अनिवार्य की गई; विदेशी अंशदान केवल नई दिल्ली स्थित भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के एकल नामित खाते में प्राप्त करने का प्रावधान किया गया; अन्य संघों को उप-अनुदान (सब-ग्रांटिंग) देने पर प्रतिबंध लगाया गया; प्रशासनिक व्यय की सीमा 50 प्रतिशत से घटाकर 20 प्रतिशत कर दी गई तथा पंजीकरण का नवीनीकरण सरकारी जांच के अधीन कर दिया गया। वर्ष 2022 में एफसीआर नियमों में पुनः संशोधन किया गए, इसके अंतर्गत विदेश में रहने वाले रिश्तेदारों से प्राप्त अंशदान की सीमा 1 लाख से बढ़ाकर 10 लाख प्रति वर्ष कर दी गई, जिससे सामान्य परिवारों के लिए अनुपालन आसान हुआ साथ ही कुछ अपराधों के शमन (कम्पाउंडिंग) से संबंधित प्रावधान भी जोड़े गए।

जिंदगी के साथ ही या जिंदगी के बाद भी

वीरेंद्र हीरालाल पथरिया

जीवन बीमा का नाम सुनते ही मन में एक भरोसा पैदा होता है—अगर कल मैं नहीं रहा तो मेरे परिवार का क्या होगा? यही चिंता व्यक्ति को अपनी आज की कमाई में से कुछ हिस्सा निकालकर बीमा की किस्त भरने के लिए प्रेरित करती है। बीमा दरअसल भविष्य की अनिश्चितता के सामने परिवार के लिए खड़ी की गई आर्थिक दीवार है। लेकिन हाल में सामने आए आंकड़े इस दीवार की मजबूती से ज्यादा एक असहज सवाल खड़ा करते हैं—क्या जीवन बीमा वास्तव में जीवन की सुरक्षा पर केंद्रित है या धीरे-धीरे बिक्री-केंद्रित वित्तीय उत्पाद बनता जा रहा है?

भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण के हालिया परामर्श पत्र के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में जीवन बीमा कंपनियों ने कुल करीब 6.3 लाख करोड़ रुपए के भुगतान किए। इनमें 37 प्रतिशत यानी लगभग 2.33 लाख करोड़ रुपए सरेंडर या बीच में छोड़ी गई पॉलिसियों से संबंधित थे, जबकि मृत्यु दावों का हिस्सा करीब 7 प्रतिशत यानी लगभग 47 हजार करोड़ रुपए रहा। परिपक्वता भुगतान का हिस्सा 35 प्रतिशत और वार्षिकी, पेंशन तथा अन्य भुगतानों का हिस्सा करीब 20 प्रतिशत था।

इन आंकड़ों के आधार पर बीमा कंपनियों को सीधे दोषी ठहराना उचित

नहीं होगा, क्योंकि जीवन बीमा केवल मृत्यु-लाभ वाला उत्पाद नहीं है। इसमें बचत, पेंशन और परिपक्वता आधारित योजनाएं भी शामिल हैं। लेकिन 37 प्रतिशत सरेंडर और केवल 7 प्रतिशत मृत्यु दावे का अनुपात एक महत्वपूर्ण सवाल जरूर खड़ा करता है—लोग बड़ी संख्या में अपनी पॉलिसियां बीच में क्यों छोड़ रहे हैं?

यही दूसरा आंकड़ा चिंता बढ़ाता है। नियामक के अनुसार जीवन बीमा पॉलिसियों की 61वें महीने की निरंतरता दर करीब 48 प्रतिशत है। यानी पांच वर्ष के आसपास पहुंचते-पहुंचते आधे से अधिक पॉलिसीधारक अपनी पॉलिसियां जारी नहीं रख पा रहे हैं। इसके मुकाबले सीधे ऑनलाइन खरीदी गई पॉलिसियों में यह दर करीब 71 प्रतिशत बताई गई है। कुछ कंपनियों में दसवें वर्ष तक चालू रहने वाली पॉलिसियों का अनुपात केवल 8 प्रतिशत तक रह जाता है।

यह अंतर केवल आंकड़ा नहीं है, बल्कि बीमा बेचने के तरीके पर सवाल भी है।

जब कोई परिवार अपनी मेहनत की कमाई से बीमा पॉलिसी खरीदता है तो वह केवल एक दस्तावेज नहीं खरीदता, बल्कि भरोसा खरीदता है। उसे लगता है कि उसने अपने परिवार के भविष्य को कुछ हद तक सुरक्षित कर लिया है। लेकिन कुछ वर्षों बाद यदि वही परिवार पॉलिसी छोड़ने के

लिए मजबूर हो जाए और उसे अपनी जमा रकम का अपेक्षित लाभ भी न मिले तो सवाल केवल ग्राहक की समझ पर नहीं, बल्कि उसे पॉलिसी समझाने वाले तंत्र पर भी उठना चाहिए।

नियामक के अध्ययन में यह भी सामने आया है कि कुछ बचत आधारित जीवन बीमा उत्पादों में पहले वर्ष का औसत कमीशन 25 से 37 प्रतिशत तक है। कुछ मामलों में कुल वितरण लागत पहले वर्ष के प्रीमियम के मुकाबले 60 से 80 प्रतिशत तक पहुंच सकती है।

यहीं से बीमा का मूल संकट सामने आता है—जब सलाह और बिक्री के बीच की रेखा धंधली हो जाए।

ग्राहक को स्पष्ट रूप से बताया जाना चाहिए कि वह बीमा खरीद रहा है, निवेश कर रहा है या बचत योजना ले रहा है। उसे जोखिम, लागत, लॉक-इन अवधि, सरेंडर मूल्य और वास्तविक लाभ की जानकारी उतनी ही स्पष्टता से मिलनी चाहिए, जितनी आकर्षक रिटर्न की तस्वीर दिखाई जाती है।

क्योंकि बीमा का असली अर्थ पॉलिसी बेच देना नहीं, बल्कि जोखिम के समय आर्थिक सुरक्षा उपलब्ध कराना है।

परिवार का कमाने वाला व्यक्ति जब जीवन बीमा करवाता है तो वह केवल अपने लिए निवेश नहीं कर रहा

होता। वह अपनी अनुपस्थिति में अपने परिवार के लिए आर्थिक सहारा तैयार कर रहा होता है। इसलिए बीमा उद्योग की सफलता केवल इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि कितनी पॉलिसियां बेची गईं और कितना प्रीमियम जुटाया गया। वास्तविक सफलता तब होगी, जब जिस परिवार ने सुरक्षा खरीदी है, उसे जरूरत के समय वह सुरक्षा मिले।

आज जरूरत बीमा कंपनियों और एजेंटों को कटघरे में खड़ा करने से अधिक बीमा को उसके मूल उद्देश्य—जीवन की सुरक्षा—से जोड़ने की है। ग्राहक को भी केवल यह नहीं पूछना चाहिए कि 'कितना मिलेगा', बल्कि यह भी पूछना चाहिए कि 'कितनी सुरक्षा मिलेगी और किन परिस्थितियों में मिलेगी?'—आखिर बीमा वह सौदा नहीं है जिसमें व्यक्ति अपने भविष्य से लाभ कमाने निकलता है। यह वह वादा है जिसमें व्यक्ति अपनी गैर-मौजूदगी में भी अपने परिवार के भविष्य को अकेला नहीं छोड़ना चाहता।

जिंदगी के साथ भी और जिंदगी के बाद भी—जैसे बड़े-बड़े स्लोगन लिखने से बीमा का उद्देश्य पूरा नहीं होगा। ग्राहक को सही जानकारी, उपयुक्त उत्पाद और वास्तविक सुरक्षा मिले तथा बीमा कंपनियाँ बिक्री से आगे बढ़कर दीर्घकालीन भरोसे को प्राथमिकता दें—तभी जीवन बीमा अपने वास्तविक अर्थ को सार्थक कर पाएगा।

45वीं राष्ट्रीय सब-जूनियर बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता- उत्तर प्रदेश की टीम भिलाई रवाना



45वीं सब-जूनियर नेशनल बॉल बैडमिंटन चैंपियनशिप 2026-27 में अपनी दावेदारी पेश करने के लिए उत्तर प्रदेश की बालक एवं बालिका टीम छत्तीसगढ़ के भिलाई के लिए रवाना हो चुकी है। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन 3 से 7 अक्टूबर 2026 तक भिलाई स्थित %बीएसपी बॉल बैडमिंटन स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स% (सेक्टर-4) में किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का प्रतिनिधित्व कर रही इस टीम की कमान बालक वर्ग में रुद्राक्ष गुप्ता और बालिका वर्ग में क्षमा धुरिया को सौंपी गई है। टीम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से कड़े

चयन सत्र के बाद चुने गए प्रतिभावान सब-जूनियर खिलाड़ियों को स्थान मिला है। टीम की रवानगी के अवसर पर उत्तर प्रदेश बॉल बैडमिंटन संघ के महासचिव कौशल कुमार दीक्षित ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, -हमारे खिलाड़ियों ने इस मुकाम तक पहुँचने के लिए कड़ी मेहनत और समर्पण दिखाया है। मुझे पूरा विश्वास है कि टीम उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय मंच पर उत्तर प्रदेश का गौरव बढ़ाएगी। इस प्रतियोगिता में देशभर की शीर्ष सब-जूनियर टीमों हिस्सा ले रही हैं। टीम के रवाना होने के दौरान खिलाड़ियों और प्रबंधन वर्ग में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

गौसेवकों ने चलाया गौ सम्मान आह्वान अभियान के निमित्त हस्ताक्षर अभियान

मुरैना, जीएनएस।

देशभर में चल रहे गौ सम्मान आह्वान अभियान के अंतर्गत मुरैना के आनंदी महल में आयोजित श्री शिव महापुराण कथा स्थल पर गौसेवकों द्वारा हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं एवं कथा श्रोताओं ने अभियान के समर्थन में हस्ताक्षर कर अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

गौसेवकों ने उपस्थित भक्तों को अभियान के उद्देश्य से अवगत करते हुए बताया कि गौमाता की सेवा, सुरक्षा एवं सम्मान के लिए देशव्यापी जनजागरण अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में आगामी 4 दिसम्बर को दोपहर 12 बजे मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से गौभक्त भोपाल के जंबूरी मैदान में एकत्रित होकर मुख्य सचिव को प्रार्थना पत्र सौंपेंगे।

अभियान से जुड़ने के लिए इच्छुक व्यक्ति 9067777323 पर मिसड कॉल देकर अपना



समर्थन दर्ज करा सकते हैं।

गौसेवक रुद्रप्रताप सिंह ने बताया कि गौ सम्मान आह्वान अभियान में किसी भी प्रकार का दान या चंदा नहीं लिया जा रहा है। यह अभियान जनसहभागिता एवं जनसमर्थन के माध्यम से संचालित किया जा रहा है।

अभियान की प्रमुख मांगें निम्न हैं

1. सम्पूर्ण भारत में गौहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए।
2. गौमाता को राष्ट्रमाता अथवा राष्ट्र आराध्य का संवैधानिक

सम्मान प्रदान किया जाए।

3. गौसेवा हेतु केंद्रीय कानून लागू किया जाए तथा केंद्रीय गौ सेवा मंत्रालय का गठन हो, जिससे देशभर में देशी गौवंश की सेवा एवं संरक्षण समान रूप से सुनिश्चित हो सके।

4. गौचर बोर्ड का गठन हो, चारा सुरक्षा नीति बनाई जाए, गौ आधारित कृषि को बढ़ावा मिले, पंचगव्य उत्पादों के निर्माण एवं विपणन को प्रोत्साहन दिया जाए तथा शिक्षा में गौ महात्म्य को स्थान दिया जाए।

सशक्त नारी की नई टीम का गठन, प्रीति गर्ग बनीं अध्यक्ष

सेवा सप्ताह के सफल आयोजन के बाद हुई बैठक में पदाधिकारियों का चुनाव, नई टीम को सौंपी गई जिम्मेदारियां

फिरोजाबाद। सशक्त नारी के सेवा सप्ताह के सफल आयोजन के बाद सितंबर में संस्था की बैठक आयोजित की गई। इसमें आगामी कार्यकाल के लिए नई टीम का गठन किया गया। बैठक में संस्था के पदाधिकारियों और बोर्ड सदस्यों ने सहभागिता की।

चुनाव प्रक्रिया के माध्यम से प्रीति गर्ग को अध्यक्ष चुना गया। गौरवी अग्रवाल को प्रशासनिक निदेशिका और रीता बंसल को वित्त निदेशिका की जिम्मेदारी दी गई। आंतरिक कार्यों के संचालन के लिए भी पदाधिकारियों का चयन किया गया। बैठक में संस्था की आगामी गतिविधियों, सेवा कार्यों और महिला सशक्तीकरण से जुड़े कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की गई। सदस्यों ने नई टीम के साथ मिलकर सामाजिक सेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

श्री साई बाबा समाधि दिवस पर आरती, साई दरबार एवं प्रसादी वितरण 15 अक्टूबर को

ग्वालियर।

साई श्रद्धा सबुरी सेवा दल समिति द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री साई बाबा का समाधि दिवस श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाएगा।

समिति के अध्यक्ष संजय कड्डल ने बताया कि समस्त साई भक्तों को ज्ञात होगा कि साई बाबा जी ने 15 अक्टूबर 1918 को दोपहर 2-30 बजे शिरडी (महाराष्ट्र) में समाधि ली थी। उन्हीं की पावन स्मृति में हर वर्ष समिति इस दिन को समाधि दिवस के रूप में मनाती है।

इस वर्ष भी ? साई श्रद्धा सबुरी सेवा दल समिति के तत्वावधान में दिनांक 15 अक्टूबर 2026, गुरुवार को दोपहर 12 बजे से इंद्र गंज चौराहा, ग्वालियर पर

भव्य कार्यक्रम आयोजित होगा।

कार्यक्रम में साई बाबा की आरती, साई बाबा का भव्य दरबार सजावट एवं प्रसादी वितरण होगा। दोपहर 2-30 बजे मौन धारण किया जाएगा। समिति अध्यक्ष संजय कड्डल ने समस्त साई भक्तों से निवेदन किया है कि उक्त कार्यक्रम में आकर श्री साईनाथ महाराज जी का आशीर्वाद प्राप्त करें और तन-मन-धन से सहयोग कर पुण्य लाभ प्राप्त करें।

इस अवसर पर साई भक्त एवं समिति के पदाधिकारी राजेश जयसिंघानी, अमित कुकुरेजा, नरेश बत्रा, दुर्गेश पुरी, धीरज गोयल, गुरुदत्त जायसवाल, मनोज रंजक आदि उपस्थित थे।



भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी श्री आशीष अग्रवाल जी से हुई आत्मीय भेंट

ग्वालियर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी, ऊर्जावान और आदरणीय श्री आशीष अग्रवाल जी से उनके निजी निवास पर आत्मीय भेंट हुई। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी, बुनकर प्रकोष्ठ के प्रदेश सह मीडिया प्रभारी श्री राहुल शाक्य जी एवं विश्व हिंदू परिषद - बजरंग दल के जिला नैतिक शिक्षा प्रमुख श्री सूरज शाक्य जी उपस्थित रहे। भेंट के दौरान श्री अग्रवाल जी का सान्निध्य एवं मार्गदर्शक आशीर्वाद प्राप्त हुआ। इस दौरान राजनीतिक विषयों एवं समाजहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई।

श्री आशीष अग्रवाल जी के ऊर्जावान विचार और जनसेवा के प्रति उनका समर्पण हम सभी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

फिरोजाबाद में भारतीय जैन मिलन ने अश्वनी जैन को राज्य अध्यापक पुरस्कार मिलने पर किया सम्मानित

फिरोजाबाद, जीएनएस।

छदामी लाल जैन मंदिर में परम पूज्य आचार्य श्री निर्भय सागर जी महाराज संसंध के सान्निध्य में भारतीय जैन मिलन, फिरोजाबाद के तत्वाधान में आयोजित क्षमावाणी पर्व के अवसर पर जैन मिलन के पदाधिकारियों ने जनपद फिरोजाबाद के श्री महावीर दिगम्बर जैन इंटर कॉलेज, सिरसागंज के नागरिक शास्त्र के प्रवक्ता अश्वनी कुमार जैन को गोरखपुर में प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा राज्य अध्यापक पुरस्कार मिलने पर सम्मानित किया। अश्वनी कुमार जैन को यह पुरस्कार विद्यालय में अपने विषय में विद्यार्थियों के नामांकन बढ़ाने,



नागरिक शास्त्र विषय को रुचिकर बनाने, उसमें नवाचार करने नागरिक शास्त्र मेला, भारतीय संसद का निर्माण, संविधान प्रस्तावना पाठ, संविधान क्रिज, संविधान पोस्टर प्रतियोगिता, पैनल बोर्ड से वीडियो के माध्यम से अध्ययन, शैक्षिक भ्रमण, टी एल एम से

विद्यार्थियों को अध्ययन, विद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं में योगदान, महापुरुषों की जयंती एवं राष्ट्रीय पर्वों पर मंच संचालक की भूमिका का निर्वहन, नगर पालिका परिषद सिरसागंज के स्वच्छ भारत अभियान के ब्राण्ड एम्बेसडर की भूमिका में स्वच्छता संबंधी विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन आदि एवं सामाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका प्रदान करने के लिए दिया गया है। मयंक जैन माइक्रोटेक ने अश्वनी कुमार जैन को राज्य अध्यापक पुरस्कार मिलने पर हर्ष व्यक्त किया एवं उन्हें बधाई देते हुए बताया कि यह जनपद माध्यमिक शिक्षा विभाग फिरोजाबाद के लिए अत्यंत गौरव का विषय है।

आरोग्य मेले में मरीजों से लिया फीडबैक, व्यवस्थाएं सुधारने के लिए निर्देश

फिरोजाबाद। नगला बरी स्थित नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर रविवार को मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम बदन राम ने मेले का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने मरीजों से बातचीत कर उन्हें मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली और स्वास्थ्यकर्मियों को व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। सीएमओ ने मेले में दवा वितरण, पैथोलॉजी जांच, टीकाकरण और विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं से संबंधित काउंटरों का निरीक्षण किया। गैर संचारी रोगों की स्क्रीनिंग, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, परिवार नियोजन और संचारी रोगों से बचाव के लिए चल रही गतिविधियों की भी जानकारी ली।

भगवान अग्रसेन जयंती पर घर-घर केसरिया लहरायेगा, लाइटिंग भी होगी

ग्वालियर, जीएनएस।

भगवान महाराजा अग्रसेन जयंती ग्वालियर में इस बार वृहद और भव्य आयोजनों के साथ मनाई जायेगी। समूचे ग्वालियर अंचल के अग्रबंधु भगवान अग्रसेन जयंती के कार्यक्रमों में परिवार व इष्ट मित्रों सहित भाग लें, साथ ही अपने घरों पर केसरिया ध्वज फहराएँ, लाइटिंग करें और दीप जगमगाहट भी करें। उक्त आह्वान अग्रवाल नवयुवक संघ (रजि) दौलतगंज लश्कर की आज आयोजित एक बैठक में लिया गया। बैठक शगुन पैलेस पर लगभग 85 अग्रबंधु उपस्थित थे, जिसमें भारी संख्या में महिलाओं ने भी

शिरकत की।

बैठक में अग्रवाल नवयुवक संघ के आयोजन स्वागताध्यक्ष अजय गोयल, अध्यक्ष सुनील गर्ग बबलू, महामंत्री मनोज सरावगी, सहित सभी ने पदाधिकारियों व सदस्यों के इस सुझाव पर सहमति दी कि भगवान महाराजा अग्रसेन जयंती की भव्यता और आकर्षक की जाएगी। इसमें ज्यादा से ज्यादा अग्रबंधुओं की भागीदारी हो इसके लिये कार्यक्रम जोड़े जायेंगे। स्वागताध्यक्ष अजय गोयल व प्रचार मंत्री विनय अग्रवाल के सुझाव पर कि भगवान अग्रसेन जयंती पर केसरिया ध्वज लगायेंगे और घर पर



दीप पर्व की तरह विद्युत साज सज्जा व दीपों की जगमगाहट भी करें, सभी ने इस पर सहमति दी। बैठक में चैंबर आफ कामर्स के अध्यक्ष डा प्रवीण अग्रवाल, उपाध्यक्ष संदीप नारायण अग्रवाल, सचिव दीपक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मनोज अग्रवाल बाबा, पूर्व उपाध्यक्ष राकेश अग्रवाल रोम, दालबाजार

व्यापार समिति के महामंत्री श्याम बंसल अप्पा, नरेन्द्र मंगल ने भी विचार रखे और आयोजन में सबकी सहभागिता हो इसके लिये सब मिलकर प्रयास करेंगे यह आश्वासन भी दिया।

अग्रवाल नवयुवक संघ 11 अक्टूबर को प्रातः 6 बजे प्रभात फेरी निकालेगा। यह प्रभात फेरी

अग्रसेन उद्यान दौलतगंज से प्रारंभ होकर महाराज बाड़ा, सराफा बाजार, गश्त का ताजिया, राममंदिर चौराहा, होकर अग्रसेन उद्यान पहुंचेगी जहां पूजन अर्चन होगा। इसी क्रम में महाआरती सायं 3 बजे अग्रसेन उद्यान दौलतगंज में होगी, जहां एक हजार से भी अधिक अग्रबंधु व बहिनें शामिल होंगी। इसके बाद भगवान अग्रसेन का चल समारोह यहीं से 4 बजे शुरू होगा जो दौलतगंज, महाराज बाड़ा, सराफा बाजार, गश्त का ताजिया, राममंदिर चौराहा, पुराना हाईकोर्ट, दालबाजार, लोहिया बाजार, पाटनकर बाजार होकर पुनः अग्रसेन

उद्यान पहुंचेगा। जहां पुनः महाआरती व प्रसाद वितरण के साथ चल समारोह का समापन होगा। बैठक में उपस्थित अग्रवाल नवयुवक संघ के अध्यक्ष सुनील गर्ग बबलू, महामंत्री मनोज सरावगी, कोषाध्यक्ष पवन गर्ग, मुकेश सांधी, मनोज गोयल, मुकेश अग्रवाल, रवि गर्ग, आनंद अग्रवाल रंगवाले, ओमप्रकाश अग्रवाल, राजकुमार गर्ग फतेहबाबा, दिलीप अग्रवाल डेयरी, विजय गोयल डेयरी, ताराचंद गर्ग, कृष्णबिहारी गोयल, दीप्ति सरावगी, ललिता बंसल, मीरा अग्रवाल, पुष्पा गोयल, आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

सीट नहीं, सियासी जीत की लड़ाई; सपा-कांग्रेस को गठबंधन में भरोसे की जरूरत

सौरभ वाण्यो

राजनीतिक दल चुनाव के पहले ही उलझनों में क्यों घिर जाते हैं, यह सवाल हर चुनाव के साथ और गहरा होता जा रहा है। एक ओर युवा पीढ़ी ऐसे नेतृत्व की तलाश में है, जो देश को दिशा दे सके, वहीं राजनीतिक दल जनता की नब्ज समझने के बजाय सीटों और समीकरणों में उलझते दिखाई देते हैं। चुनाव के बाद यही दल कई बार आत्ममंथन करते नजर आते हैं। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर उभरती खींचतान भी इसी राजनीतिक प्रवृत्ति का संकेत है।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में चुनावी सरगमी बढ़ने के साथ सपा और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर जिस तरह की असहजता सामने आ रही है, उसने विपक्षी एकता के दावों पर सवाल खड़े किए हैं। दोनों दल भारतीय जनता पार्टी के सामने मजबूत चुनौती पेश करने की तैयारी में हैं, लेकिन गठबंधन के भीतर सीटों की संख्या, राजनीतिक प्रभाव और नेतृत्व की प्राथमिकताओं को लेकर मतभेद दिखाई दे रहे हैं। सवाल केवल यह नहीं है कि सपा कितनी सीटें चाहती है और कांग्रेस कितनी सीटों पर दावा कर रही है। असली सवाल यह है कि क्या दोनों दल उस राजनीतिक समझ और परिपक्वता का परिचय दे पाएंगे, जिसकी अपेक्षा एक प्रभावी गठबंधन से की जाती है?

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव का यह कहना कि 'बात सीट की नहीं, जीत की है', इस पूरे विवाद के बीच महत्वपूर्ण

राजनीतिक संदेश है। वह यह समझते हैं कि विपक्षी दलों के अलग-अलग लड़ने से मुकाबला कमजोर हो सकता है और साझा रणनीति के बिना भाजपा को चुनौती देना आसान नहीं होगा। उन्होंने गठबंधन की जीत को सीटों की संख्या से ऊपर रखते हुए एक तरह से राजनीतिक संयम का संदेश दिया है। लेकिन राजनीति में केवल संदेश काफी नहीं होते। उसे जमीन पर उतारने की इच्छाशक्ति और संगठनात्मक क्षमता भी जरूरी होती है। यहीं से सपा-कांग्रेस गठबंधन की वास्तविक परीक्षा शुरू होती है।

चुनावी गठबंधन केवल सीटों का गणित नहीं होता। उसका अर्थ है एक-दूसरे के राजनीतिक अस्तित्व का सम्मान, साझा रणनीति, कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय और मतदाताओं के सामने स्पष्ट संदेश। यदि शीर्ष नेतृत्व मंच से एकता की बात करे और स्थानीय स्तर पर दोनों दलों के नेता एक-दूसरे के खिलाफ बयान दें, तो गठबंधन की विश्वसनीयता स्वाभाविक रूप से कमजोर होगी।

उत्तर प्रदेश में यह चुनौती और बड़ी है, क्योंकि यहां चुनाव केवल दलों के बीच नहीं, बल्कि सामाजिक और क्षेत्रीय समीकरणों के बीच भी लड़ा जाता है। हर सीट का अपना सामाजिक आधार, स्थानीय नेतृत्व और राजनीतिक इतिहास है। इसलिए केवल सीटों की संख्या के आधार पर फार्मूला तय करना पर्याप्त नहीं होगा। यह देखना होगा कि किस क्षेत्र में किस दल का संगठन मजबूत है, किस उम्मीदवार की स्वीकार्यता अधिक है और कौन प्रत्याशी विपक्षी मतों

को एकजुट करने में सक्षम है।

यही व्यावहारिक राजनीति है। इसे नजरअंदाज कर बनाया गया गठबंधन कागज पर जितना मजबूत दिखाई देता है, चुनावी मैदान में उतना ही कमजोर साबित हो सकता है। भाजपा ने सपा-कांग्रेस के बीच मतभेदों को राजनीतिक हथियार बनाना शुरू कर दिया है। भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी का गठबंधन को 'लठबंधन' कहना इसी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा माना जा सकता है। भाजपा के लिए विपक्षी गठबंधन के भीतर का हर मतभेद एक अवसर है। विपक्ष जितना अधिक एक-दूसरे के खिलाफ बोलेगा, भाजपा उतना ही यह संदेश देने की कोशिश करेगी कि सत्ता का विकल्प बनने से पहले ही विपक्ष आपसी संघर्ष में उलझ गया है।

भाजपा के खिलाफ लड़ाई केवल भाषणों से नहीं जीती जा सकती। इसके लिए विपक्षी दलों को अपनी आंतरिक कमजोरियों पर भी विजय हासिल करनी होगी। यह विडंबना है कि जो दल लोकतंत्र, संविधान, सामाजिक न्याय और जनहित जैसे बड़े मुद्दों पर एक मंच पर आने की बात करते हैं, वे स्वयं सीटों के प्रश्न पर सार्वजनिक असहमति प्रदर्शित करने लगे। जनता स्वाभाविक रूप से पूछेगी कि जब सत्ता की साझेदारी अभी हुई भी नहीं है, तो सीटों की साझेदारी पर इतना संघर्ष क्यों?

दरअसल, गठबंधन की राजनीति में सबसे बड़ा संकट सीटों की संख्या नहीं, विश्वास का संकट होता है। यदि सपा को कांग्रेस पर और कांग्रेस को सपा पर

भरोसा नहीं होगा तो कोई भी सीट समझौता स्थायी नहीं हो सकता। आज सीटों का फार्मूला तय होगा, कल उम्मीदवार चयन को लेकर विवाद होगा और चुनाव के दौरान कार्यकर्ताओं के बीच तालमेल की समस्या सामने आएगी। ऐसी स्थिति में गठबंधन का लाभ विरोधी दल को मिल सकता है।

दोनों दलों को यह स्वीकार करना होगा कि गठबंधन में किसी एक पक्ष की पूर्ण राजनीतिक संतुष्टि संभव नहीं होती। समझौते करने पड़ते हैं। कुछ सीटें छोड़नी पड़ती हैं, ताकि अधिक सीटें जीती जा सकें। राजनीति में कम सीटों पर लड़ना और अधिक सीटें जीतना भी रणनीति हो सकती है। इसके उलट अधिक सीटों पर लड़ने का राजनीतिक अहंकार कई बार जीत की संभावनाओं को ही कमजोर कर देता है।

अखिलेश यादव का 'बात सीट की नहीं, जीत की है' वाला कथन इसलिए महत्वपूर्ण है कि इसमें गठबंधन की राजनीति का मूल तत्व छिपा है। यदि सपा और कांग्रेस वास्तव में भाजपा को चुनौती देना चाहते हैं तो उन्हें अपने-अपने राजनीतिक विस्तार की चिंता के साथ साझा लक्ष्य पर भी ध्यान देना होगा।

हालांकि कांग्रेस की चिंताओं को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को अपने संगठन और राजनीतिक प्रभाव को पुनर्जीवित करने की जरूरत है। यदि वह अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करना चाहती है तो सम्मानजनक सीट हिस्सेदारी की अपेक्षा स्वाभाविक है। दूसरी ओर सपा का तर्क हो

सकता है कि सीटों का बंटवारा जमीनी ताकत और जीत की संभावना के आधार पर होना चाहिए। दोनों पक्षों की अपनी राजनीतिक मजबूरियां हैं। समाधान तभी निकलेगा, जब दोनों अपनी मांगों को अंतिम सत्य मानने के बजाय जीत की संभावना को केंद्र में रखेंगे।

यह भी याद रखना होगा कि चुनाव केवल नेता नहीं लड़ते, कार्यकर्ता लड़ते हैं। यदि सपा का कार्यकर्ता कांग्रेस प्रत्याशी को और कांग्रेस का कार्यकर्ता सपा प्रत्याशी को अपना उम्मीदवार स्वीकार नहीं करता तो गठबंधन का पूरा गणित बिगड़ सकता है। इसलिए सीट समझौते के साथ साझा चुनाव अभियान, संयुक्त सभाएं, स्पष्ट संदेश और कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय भी जरूरी होगा।

आज देश की राजनीति में गठबंधन कोई असामान्य घटना नहीं है। बदलती परिस्थितियों में विभिन्न दलों का साथ आना लोकतांत्रिक राजनीति का हिस्सा है। लेकिन गठबंधन तभी सफल होते हैं, जब उनके पीछे साझा न्यूनतम कार्यक्रम और पारस्परिक विश्वास हो। केवल किसी एक दल को रोकने के लिए बना गठबंधन लंबे समय तक जनता का विश्वास कायम नहीं रख सकता। मतदाता जानना चाहता है कि उसके सामने विकल्प क्या है, उस विकल्प की नीति क्या है और सत्ता मिलने पर वह क्या करेगा।

इसलिए सपा और कांग्रेस को केवल भाजपा विरोधी मंच बनने से आगे बढ़ना होगा। उन्हें जनता के सामने शासन और विकास का विश्वसनीय विकल्प प्रस्तुत करना

होगा। बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की आय, युवाओं के अवसर, कानून-व्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर साझा दृष्टिकोण सामने रखना होगा। केवल सीटों का समझौता चुनाव नहीं जिताता; जनता के सवालों का विश्वसनीय जवाब चुनाव जिताता है।

इस समय सपा और कांग्रेस के सामने सबसे बड़ा सवाल यह नहीं है कि कौन कितनी सीटें लेगा। सवाल यह है कि दोनों मिलकर कितनी सीटें जीत सकते हैं। यदि दोनों दल इस अंतर को समझ लेते हैं तो गठबंधन मजबूत चुनावी ताकत बन सकता है। लेकिन यदि सीटों की खींचतान राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई बन गई तो विपक्षी एकता का सपना चुनावी मैदान में ही बिखर सकता है।

उत्तर प्रदेश की जनता राजनीतिक दलों के बयान भी सुनती है और उनके व्यवहार का आकलन भी करती है। वह यह समझती है कि कौन-सा विवाद वास्तविक है और कौन-सा केवल चुनावी दबाव बनाने की रणनीति। इसलिए अब समय सार्वजनिक बयानबाजी बढ़ाने का नहीं, बल्कि गंभीर बातचीत का है। सीटों का फैसला आंकड़ों, जमीनी ताकत और जीत की संभावना के आधार पर होना चाहिए, राजनीतिक दबाव या अहंकार के आधार पर नहीं।

बात सचमुच सीट की नहीं, जीत की है। लेकिन जीत के लिए सबसे पहले गठबंधन के भीतर विश्वास जरूरी है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक एवं राजनीतिक विधि विचारक हैं।

दुनिया की थाली पर मंडराता महंगाई और खाद्य संकट का महातूफान!

किशन सनमुखदास
भावनानी

दुनिया की अर्थव्यवस्था के सामने अब ऐसा संकट आकार लेता दिखाई दे रहा है, जिसका सीधा संबंध हर व्यक्ति की रसोई, भोजन की उपलब्धता और घरेलू बजट से है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में संघर्ष, उर्वरकों की आपूर्ति में बाधाएं, ऊर्जा बाजार की अस्थिरता और संभावित शक्तिशाली एल नीनो ने वैश्विक खाद्य सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

इसी पृष्ठभूमि में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 29 सितंबर 2026 को न्यूयॉर्क में एशिया सोसाइटी के कार्यक्रम में आने वाले महीनों में बड़े खाद्य संकट की आशंका जताई। उन्होंने युद्धों के कारण खाद्य और उर्वरक आपूर्ति पर पड़ रहे दबाव तथा विकासशील देशों के सामने पैदा हो रही कठिनाइयों को रेखांकित किया।

दूसरी ओर, भारत सरकार ने त्योहारों से पहले चीनी की जमाखोरी और कृत्रिम क्लिष्ट की आशंका को देखते हुए व्यापारियों के लिए स्टॉक रखने के नियम और

कड़े कर दिए हैं। एक अक्टूबर को घोषित संशोधित व्यवस्था 15 अक्टूबर से 30 नवंबर 2026 तक लागू होगी। सामान्य क्षेत्रों में व्यापारी अधिकतम 1,000 क्विंटल चीनी रख सकेंगे और किसी खेप को 15 दिन से अधिक रखने की अनुमति नहीं होगी। कोलकाता के विस्तारित महानगरीय क्षेत्र और असम के लिए सीमा 2,000 क्विंटल रखी गई है।

चीनी पर शिकंजा क्यों महत्वपूर्ण? : चीनी की स्टॉक सीमा लगातार कड़ी की गई है। इससे पहले सीमा 4,000 क्विंटल थी, जिसे घटाकर 2,000 क्विंटल किया गया और अब सामान्य क्षेत्रों के लिए इसे 1,000 क्विंटल कर दिया गया है। सरकार का उद्देश्य त्योहारों के दौरान बाजार में पर्याप्त आपूर्ति बनाए रखना और जमाखोरी तथा सट्टेबाजी के जरिये कीमतों पर अनावश्यक दबाव को रोकना है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार अगस्त के उच्च स्तर की तुलना में खुदरा चीनी कीमत करीब 15 प्रतिशत और मिल स्तर की कीमत लगभग 28 प्रतिशत कम हुई है।

यह कदम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि खाद्य महंगाई केवल उत्पादन की कमी से नहीं बढ़ती। यदि व्यापारिक स्तर पर बड़ी मात्रा में माल रोक लिया जाए, आपूर्ति बाधित हो या बाजार में कृत्रिम कमी का वातावरण बनाया जाए तो पर्याप्त उत्पादन के बावजूद उपभोक्ता को अधिक कीमत चुकानी पड़ सकती है। इसलिए आवश्यक वस्तुओं के भंडारण की निगरानी खाद्य सुरक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है।

विदेश मंत्री की चेतावनी और वैश्विक खाद्य संकट : जयशंकर की चिंता केवल अनाज की कमी तक सीमित नहीं है। वैश्विक खाद्य सुरक्षा पर युद्धों का असर कई स्तरों पर पड़ता है। रूस और यूक्रेन जैसे प्रमुख कृषि उत्पादक क्षेत्रों से गेहूं, मक्का और अन्य कृषि वस्तुओं की आपूर्ति में व्यवधान अंतरराष्ट्रीय बाजार को प्रभावित कर सकता है। पश्चिम एशिया में संघर्ष का असर ऊर्जा, समुद्री परिवहन और उर्वरक आपूर्ति तक पहुंच सकता है। जयशंकर ने भोजन, ईंधन, उर्वरक और वित्त से जुड़ी चुनौतियों के

संयुक्त प्रभाव को विकासशील देशों के लिए गंभीर बताया है।

यह समझना जरूरी है कि खाद्य संकट का अर्थ हमेशा खाद्यान्न का भौतिक अभाव नहीं होता। किसान को समय पर उर्वरक नहीं मिले, सिंचाई और डीजल महंगे हो जाएं, परिवहन लागत बढ़ जाए और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्ग बाधित हो जाएं तो उत्पादन उपलब्ध रहने के बावजूद भोजन महंगा हो सकता है।

एल नीनो ने बढ़ाई चिंता : जलवायु परिवर्तन और एल नीनो ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम के पांच अगस्त 2026 के विश्लेषण के अनुसार एल नीनो 2026 और 2027 में दुनिया के संवेदनशील क्षेत्रों में खाद्य असुरक्षा को गंभीर रूप से बढ़ा सकता है। डब्ल्यूएफपी के अनुमान के मुताबिक 45 देशों में 2027 के अंत तक करीब 27.4 करोड़ लोग तीव्र खाद्य असुरक्षा का सामना कर सकते हैं, जो मौजूदा अनुमान से लगभग 4.9 करोड़ अधिक है।

हालांकि इस आंकड़े को भारत में संभावित खाद्य संकट के

सीधे आंकड़े के रूप में देखना सही नहीं होगा। भारत पर प्रभाव का आकलन घरेलू उत्पादन, मानसून, सरकारी भंडार, कृषि लागत और आयात-निर्यात की स्थिति के आधार पर अलग से करना होगा।

एल नीनो का प्रभाव भी एक जैसा नहीं होता। कहीं सूखा, कहीं अत्यधिक बारिश और कहीं बाढ़ कृषि उत्पादन को प्रभावित कर सकती है। यदि प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में फसलें प्रभावित होती हैं तो वैश्विक बाजार में उपलब्धता और कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है।

भारत में खाद्य महंगाई का संकेत : भारत के लिए यह चुनौती इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि करोड़ों परिवारों के घरेलू बजट में भोजन का बड़ा हिस्सा होता है। 14 सितंबर 2026 को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार अगस्त में खुदरा महंगाई 4.82 प्रतिशत रही, जबकि उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई 5.95 प्रतिशत दर्ज की गई। जुलाई में खाद्य महंगाई 5.52 प्रतिशत थी।

ये आंकड़े देश में खाद्यान्न संकट का प्रमाण नहीं हैं, लेकिन यह जरूर संकेत देते हैं कि खाद्य

कीमतों का दबाव नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

भारत की स्थिति में कुछ मजबूत सुरक्षा कवच भी हैं। देश के पास पर्याप्त कृषि उत्पादन क्षमता, खाद्यान्न भंडार, न्यूनतम समर्थन मूल्य व्यवस्था और सार्वजनिक वितरण प्रणाली जैसी व्यवस्थाएं हैं। इसलिए वैश्विक संकट का असर भारत में अनिवार्य रूप से खाद्यान्न की भौतिक कमी के रूप में सामने आए, यह मान लेना उचित नहीं होगा। लेकिन उर्वरक की कीमत, ऊर्जा लागत, परिवहन खर्च, खाद्य तेलों की अंतरराष्ट्रीय कीमत और मौसम की प्रतिकूलता एक साथ दबाव बनाते हैं तो किसान की लागत और उपभोक्ता की थाली दोनों प्रभावित हो सकती हैं। 2027 तक भोजन कितना महंगा होगा, इसका निश्चित अनुमान अभी संभव नहीं है। यह कई परिस्थितियों पर निर्भर करेगा—मानसून कैसा रहता है, घरेलू कृषि उत्पादन कितना होता है, युद्ध कितने समय चलते हैं, अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्ग कितने सुरक्षित रहते हैं और सरकारें कीमतों तथा आपूर्ति को नियंत्रित करने के लिए क्या कदम उठाती हैं।

जीवाजी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय परिसंवाद में 22 प्रांतों के 49 से अधिक प्रतिनिधियों ने सात घंटे किया मंथन

विकसित भारत-2047 के लिए शिक्षा में नवाचार जरूरी

ग्वालियर जीएनएस
जीवाजी विश्वविद्यालय एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'विकसित भारत-2047 हेतु शिक्षा' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद संपन्न हुआ। परिसंवाद में देशभर के 22 प्रांतों से आए शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के 49 से अधिक राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने सहभागिता की। सात घंटे तक चले चार तकनीकी सत्रों में शिक्षाविदों ने शिक्षा के वर्तमान परिदृश्य, नवाचार, भविष्य

की कार्ययोजना और संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। परिसंवाद में न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी, राष्ट्रीय संयोजक डॉ. ए. विनोद, राष्ट्रीय सह संयोजक ओम शर्मा, क्षेत्र संयोजक डॉ. अजय तिवारी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सुरेश गुप्ता तथा चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व के समग्र विकास विषय के राष्ट्रीय सह संयोजक संदीप जोशी ने मार्गदर्शन किया। जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत



भी परिसंवाद में मौजूद रहे।

चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास विषय के मध्य क्षेत्र के प्रांत संयोजक डॉ. समीर भार्गव ने बताया कि चारों सत्रों में शिक्षा के वर्तमान स्वरूप, उसमें

आवश्यक बदलाव, नवाचार और आगामी कार्ययोजना को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। विभिन्न प्रांतों से आए पदाधिकारियों ने संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर अपने अनुभव और सुझाव भी

साझा किए। चर्चा के दौरान शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों में चरित्र निर्माण, व्यक्तित्व विकास और राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित करने पर भी विचार रखे गए।

परिसंवाद के समापन अवसर पर आगामी वर्ष की गतिविधियों को व्यवस्थित रूप से संचालित करने के लिए वार्षिक योजना के कैलेंडर का प्रारूप तैयार किया गया। इसमें विभिन्न शैक्षणिक और संगठनात्मक गतिविधियों को शामिल करने पर विचार किया गया। कार्यक्रम के आयोजक

वानस्पतिकी अध्ययनशाला के विभागाध्यक्ष प्रो. एमके गुप्ता, सूक्ष्मजीव विज्ञान अध्ययनशाला के विभागाध्यक्ष डॉ. सुशील मंडेरिया, संयोजक धीरेन्द्र सिंह भदौरिया, प्रो. राजेन्द्र वैद्य, ग्वालियर विभाग संयोजक राजकुमार वाजपेयी, कार्यकर्ता प्रो. हेमंत शर्मा, डॉ. सपन पटेल, डॉ. समीर भार्गव एवं एडवोकेट राजकमल जादौन सहित विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों के निदेशक, प्राध्यापक और शोधार्थी उपस्थित रहे। परिसंवाद में करीब 250 शिक्षाविदों ने सहभागिता की।

प्रबल प्रताप सिंह तोमर के जन्मदिवस पर युवाओं ने सेवा कार्यों के साथ मनाया जन्मोत्सव

जन्मदिन पर दृष्टिहीन बच्चियों को कराया अल्पाहार, फल बांटे और किया पौधरोपण

ग्वालियर जीएनएस
युवा नेता प्रबल प्रताप सिंह तोमर (रघु भैया) के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में युवाओं ने सेवा कार्यों के माध्यम से जन्मोत्सव मनाया। इस दौरान आत्मज्योति दृष्टिहीन कन्या आश्रम, गोला का मंदिर में पहुंचकर दृष्टिहीन बच्चियों के साथ सामूहिक रूप से अल्पाहार कराया गया। बच्चियों ने केक काटकर प्रबल प्रताप सिंह तोमर को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष अशोक जादौन रहे, जबकि अध्यक्षता भाजपा के पूर्व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अशोक जैन ने की। उन्होंने भी प्रबल प्रताप सिंह तोमर को जन्मदिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में



बच्चियों को अल्पाहार कराया गया और सामूहिक रूप से केक काटकर वितरित किया गया। आयोजन का नेतृत्व पाल बघेल समाज के वरिष्ठ नेता शिव सिंह बघेल, युवा नेता अमरीश शर्मा एवं अखंड अग्रवाल ने किया।

इसी क्रम में मुरार के अग्रसेन चौराहा पर युवाओं ने आमजन एवं मजदूर भाइयों को फल वितरित किए। इसके बाद मुरार के

त्यागीनगर में 11 अलग-अलग प्रजातियों के पौधे लगाकर वृक्षारोपण किया गया। फल वितरण एवं पौधरोपण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा मध्यप्रदेश के पूर्व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अशोक जैन रहे। अध्यक्षता पूर्व पार्षद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता उदय सिकरवार ने की। कार्यक्रम का संयोजन युवा नेता सनी दंडोटिया के नेतृत्व में किया गया।

सेवा संकल्प अभियान में 51 पूर्व सैनिकों का सम्मान

सैनिकों और उनके परिवारों का सम्मान देश की सर्वोच्च प्राथमिकता : प्रद्युम्न सिंह तोमर

ग्वालियर जीएनएस
ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले सैनिकों और उनके परिवारों का सम्मान एवं कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। सैनिकों के त्याग, समर्पण और राष्ट्र सेवा को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनका साहस और देश के प्रति समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। ऊर्जा मंत्री रविवार को सेवा संकल्प अभियान के तहत रेसकोर्स रोड स्थित अपने 38 नंबर कार्यालय पर आयोजित पूर्व सैनिक सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह में उपनगर ग्वालियर के पूर्व सैनिकों, देश की सरहदों की रक्षा करते हुए प्राण न्योछावर करने वाले वीर



सपूतों की वीरांगनाओं एवं उनके परिजनों ने सहभागिता की। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री ने 51 पूर्व सैनिकों एवं वीर परिवारों का शॉल और श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। उन्होंने सैनिकों के त्याग, समर्पण और राष्ट्र के प्रति योगदान को नमन करते हुए कहा कि देश की सुरक्षा के लिए सैनिकों ने

अपने जीवन की परवाह किए बिना कर्तव्य निभाया है। उनकी वीर गाथाएं आने वाली पीढ़ियों को देशसेवा के लिए प्रेरित करती रहेंगी। समारोह में ऊर्जा मंत्री ने सैनिकों से जुड़ी स्मृतियों और वीर गाथाओं को साझा करते हुए राष्ट्र सेवा में उनके योगदान को अनुकरणीय बताया।

स्वच्छता केवल अभियान नहीं, हमारी सामूहिक जिम्मेदारी : प्रजापति

ग्वालियर जीएनएस
भाजपा जिला महामंत्री जवाहर प्रजापति ने कहा कि महात्मा गांधी ने स्वच्छता को स्वस्थ, स्वावलंबी और सशक्त राष्ट्र के निर्माण का महत्वपूर्ण आधार माना था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वच्छ भारत अभियान ने स्वच्छता को जनआंदोलन का स्वरूप दिया है। इसलिए स्वच्छता को केवल किसी विशेष दिवस या अभियान तक सीमित न रखते हुए

इसे दैनिक जीवन की आदत और सामूहिक जिम्मेदारी बनाना जरूरी है। यह बात उन्होंने गांधी जयंती एवं सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक गजरांराजा कन्या विद्यालय, वार्ड क्रमांक 50 में आयोजित स्वच्छता अभियान एवं श्रमदान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कही। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता का विशेष महत्व है।

बच्चे और युवा समाज में सकारात्मक बदलाव के प्रभावी वाहक बन सकते हैं। प्रजापति ने विद्यार्थियों एवं उपस्थित लोगों से अपने घर, विद्यालय, कार्यस्थल और आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ वातावरण केवल स्वास्थ्य के लिए आवश्यक नहीं है, बल्कि इससे समाज में जिम्मेदारी और अनुशासन की भावना भी मजबूत होती है। प्रत्येक व्यक्ति

अपने स्तर पर स्वच्छता की जिम्मेदारी निभाए तो शहर और देश को स्वच्छ बनाने का लक्ष्य आसानी से पूरा किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान भाजपा पदाधिकारियों, स्वच्छता कर्मियों, विद्यालय स्टाफ, छात्राओं एवं आमजन ने श्रमदान किया। सभी ने अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने तथा दूसरों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।



श्रीजी गरबा एवं डांडिया उत्सव में विभिन्न राज्यों की वेशभूषा ने बढ़ाई आयोजन की भव्यता

देसी ठाट में सजा गरबा, पारंपरिक परिधानों ने बिखरे संस्कृति के रंग

ग्वालियर जीएनएस
जीवाजी क्लब में आयोजित श्रीजी गरबा एवं डांडिया उत्सव के तीसरे संस्करण में रविवार को 'देसी ठाट, गरबा की रात' थीम पर विशेष आयोजन हुआ। भारतीय संस्कृति और परंपराओं को समर्पित इस शाम में प्रतिभागियों ने देश के विभिन्न राज्यों, क्षेत्रों और समुदायों की पारंपरिक वेशभूषा को आकर्षक अंदाज में प्रस्तुत किया। रंग-बिरंगे परिधान, पारंपरिक आभूषण और गरबा की ऊर्जा ने आयोजन को

सांस्कृतिक विविधता से भर दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हॉकी इंडिया के एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट एवं एसोसिएशन ऑफ मिक्स्ट मार्शल आर्ट्स, मध्यप्रदेश के अध्यक्ष देवेन्द्र प्रताप सिंह तोमर मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथि ग्वालियर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष वेद प्रकाश शिवहरे ने भी आयोजन में सहभागिता की। विशेष आमंत्रित अतिथि भाजपा ग्वालियर महानगर की जिला मंत्री एवं भारत विकास परिषद की



अध्यक्ष प्रिया तोमर भी मौजूद रहीं। 'देसी ठाट, गरबा की रात'

थीम के तहत प्रतिभागियों ने पारंपरिक परिधानों के माध्यम से

भारत की सांस्कृतिक विविधता को प्रस्तुत किया। किसी ने राजस्थान की पारंपरिक वेशभूषा को अपनाया तो किसी ने गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब सहित विभिन्न क्षेत्रों की संस्कृति और पहनावे की झलक दिखाई। परिधानों के साथ पारंपरिक आभूषणों और आकर्षक साज-सज्जा ने प्रस्तुतियों को और प्रभावी बनाया। आयोजन में प्रतिभागियों की पारंपरिक वेशभूषा, रचनात्मकता, प्रस्तुति और साज-सज्जा के आधार पर विभिन्न विशेष पुरस्कार

भी प्रदान किए गए। प्रतिभागियों ने गरबा और डांडिया की प्रस्तुतियों के साथ सांस्कृतिक विविधता को उत्सव के रंग में पिरोया। आयोजकों ने बताया कि श्रीजी गरबा एवं डांडिया उत्सव का उद्देश्य गरबा के माध्यम से भारतीय संस्कृति, परंपराओं और सामूहिक उत्सव की भावना को एक मंच पर लाना है। आयोजन में विभिन्न आयु वर्ग के लोगों की भागीदारी रही। पारंपरिक प्रस्तुति के साथ आधुनिक प्रस्तुति के मेल ने कार्यक्रम को विशेष बनाया।

श्रमण संस्कृति परमार्थ संस्थान ग्रेटर ग्वालियर द्वारा धार्मिक यात्रा का हुआ शुभारंभ

ग्वालियर, जीएनएस।
श्रमण संस्कृति परमार्थ संस्थान ग्रेटर ग्वालियर द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित की जाने वाली धार्मिक यात्रा के क्रम में इस वर्ष ग्वालियर से रामटेक, वाया नागपुर धार्मिक यात्रा का शुभारंभ आज रेल्वे स्टेशन से जयकारों के साथ रवाना हुई।
जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि संस्था के संस्थापक भरत जैन विरागी ने रेल्वे स्टेशन पर जैन ध्वजा फहराकर धार्मिक यात्रा रवाना की गई। यह यात्रा नवीन अध्यक्ष श्री वीरेंद्र जी

जैन सराफ के नेतृत्व एवं यात्रा प्रभारी श्री सागर जैन के मार्गदर्शन में लगभग 40 सदस्य इस धार्मिक यात्रा में सम्मिलित हो रहे हैं। यात्रा के दौरान रामटेक तीर्थ क्षेत्र में संस्था के संस्थापक अध्यक्ष पंडित भरत जैन विरागी के मार्गदर्शन में पंचवाल्याती विधान का आयोजन बड़े ही भक्तिभाव एवं धार्मिक श्रद्धा के साथ किया जाएगा।
जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि यात्रा के शुभारंभ अवसर पर श्रीमान सुमत जैन आमोल वाले एवं श्री जवाहरलाल

श्रमण संस्कृति परमार्थ संस्थान ग्रेटर की रामटेक धार्मिक यात्रा जयकारों के साथ रवाना हुई, गूज रेल्वे स्टेशन



जी जैन चीनर वाले सहित हम और आप टीम के अध्यक्ष श्री कमल जैन

सोनू द्वारा सभी यात्रियों का तिलक एवं दुपट्टा पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया तथा सभी यात्रियों को मंगलमय एवं सफल यात्रा की शुभकामनाएं प्रेषित की गईं। इस धार्मिक यात्रा में संस्था के महामंत्री श्री नेमीचंद जैन, कोषाध्यक्ष श्रीमती नीतू जैन, उपाध्यक्ष श्रीमती सुनेना जैन, मंत्री श्रीमती अनुपमा जैन सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य सम्मिलित हैं। संस्था द्वारा प्रतिवर्ष विभिन्न तीर्थ क्षेत्रों की धार्मिक यात्राओं का आयोजन किया जाता है, जिसका उद्देश्य समाज के

सदस्यों को तीर्थ दर्शन, धार्मिक अनुष्ठान एवं आध्यात्मिक वातावरण से जोड़ना है। इस वर्ष पहली बार धार्मिक यात्रा में सम्मिलित होने वाले सदस्यों में श्रीमती नीलम जैन शिवपुरी, श्रीमती अलका जैन, श्रीमती सपना जैन, श्रीमती मंजू जैन (नवीन सदस्य) श्रीमती मीना जैन (किराना जनरल स्टोर) प्रमुख रूप से शामिल हुए हैं। संस्था के सदस्यों ने सभी यात्रियों के मंगलमय, सुखद एवं निर्विघ्न यात्रा की कामना करते हुए गोपाचल वाले पारस बाबा का आशीर्वाद प्रेषित किया।

डॉ गोविंद सिंह जी जनता के लिए लड़ रहे हैं और वर्तमान भाजपा विधायक जी खुद के लिए?

लहार क्षेत्र के कुछ भाजपा समर्थक सोशल मीडिया पर डॉ. गोविंद सिंह जी का वीडियो एडिट करके (काट-छंट कर) भ्रम फैला रहे हैं। इस वीडियो के पीछे का पूरा सच यह है कि उस समय तत्कालीन मछंड चौकी प्रभारी द्वारा क्षेत्र की आम जनता पर फर्जी मुकदमे दर्ज किए जा रहे थे, लोगों को चौकी में बुलाकर बेरहमी से पीटा जा रहा था और पूरे इलाके में

दहशत का माहौल था।
?उस कठिन समय में डॉ. गोविंद सिंह जी ने जनता के रक्षा कवच के रूप में मजबूती से अपनी आवाज बुलंद की थी। जब जनता अत्याचार झेल रही हो, तब एक सच्चे और संवेदनशील जनप्रतिनिधि का आक्रामक होना स्वाभाविक ही नहीं, बल्कि उनका कर्तव्य है। जिस भाषा शैली की बात की जा रही है, वह डॉ. साहब

ने जनता पर हो रहे अत्याचारों के विरोध में उस निरंकुश चौकी प्रभारी के खिलाफ बोली थी।
?इसके विपरीत, वर्तमान विधायक जी की जो भाषा शैली बिगड़ी हुई है, वह जनता के अधिकारों के लिए नहीं, बल्कि अपने और अपने परिवार पर लग रहे कथित आरोपों और घोटालों से खुद को बचाने की बौखलाहट में निकल रही है।

?अंतर स्पष्ट है—एक जनप्रतिनिधि जनता के स्वाभिमान और सुरक्षा के लिए दहाड़ रहा था, और एक केवल अपने निजी स्वार्थ को बचाने के लिए छटपटा रहा है। डॉ गोविंद सिंह जी जनता के लिए लड़ रहे हैं और वर्तमान विधायक जी अपने आप को पाक-साफ बनाने के लिए लड़ रहे हैं लहार की जनता सब जान चुकी है असली जनसेवक कौन है?

सेवा संकल्प अभियान में नशा मुक्ति कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर, जीएनएस।
प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सार्वजनिक जीवन एवं जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत शांतम प्रज्ञा आश्रम, नशा मुक्ति, मनोआरोग्य एवं दिव्यांग पुनर्वास केंद्र, जबलपुर में 'नशा मुक्ति युवा-समृद्ध भारत' विषय पर नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा नगर अध्यक्ष श्री रतेश सोनकर, जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री संदीप जैन एवं भाजपा दिव्यांग प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक श्री संदीप रजक ने भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं पुष्प अर्पित कर किया। श्री रतेश सोनकर ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन, जनकल्याणकारी कार्यों एवं विकास योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने तथा नागरिकों को 'विकसित भारत 2047' के राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।
उन्होंने नशे को गंभीर सामाजिक एवं स्वास्थ्य चुनौती बताते हुए युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान किया। श्री संदीप

जैन ने युवाओं को मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की। वहीं श्री संदीप रजक ने 'एक युद्ध-नशे के विरुद्ध' का संदेश देते हुए कहा कि नशे से प्रभावित व्यक्तियों को उचित उपचार, मनोवैज्ञानिक सहयोग एवं पुनर्वास के माध्यम से स्वस्थ जीवन की ओर वापस लाया जा सकता है।
कार्यक्रम के अंत में आश्रम में उपचार एवं पुनर्वास प्राप्त कर रहे व्यक्तियों को फल वितरित किए गए। उपस्थित लोगों ने नशामुक्त जीवन जीने तथा समाज को नशामुक्त बनाने में सहयोग करने की शपथ ली। आश्रम की ओर से सभी अतिथियों को स्मृति-स्वरूप तुलसी के पौधे भेंट किए गए तथा कार्यक्रम में सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम प्रभारी श्री मुरली दुबे, भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा नगर उपाध्यक्ष श्री रुपेश 'पिटू' पटेल, श्री अजय अधिकारी, श्री सुनील पटेल, श्रीविपिन अग्रहारे, सह मीडिया प्रभारी श्री नरेश चौधरी, आश्रम संचालक मुकेश कुमार सेन, केयरटेकर मुकेश अहिरवार सहित अन्य सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मध्य प्रदेश पैरा कबड्डी संघ द्वारा टैलेंट सर्च ट्रायल 2026 का भव्य शुभारंभ खेल गांव, ग्वालियर में संपन्न

ग्वालियर, जीएनएस।
मध्य प्रदेश पैरा कबड्डी संघ के औतत्वावधान में आज दिनांक 4 अक्टूबर 2026 को मुरैना लिंक रोड, IIITM (ट्रिपल आईटीएम) के सामने स्थित खेल गांव, ग्वालियर में पैरा कबड्डी टैलेंट सर्च ट्रायल 2026 का सफल आयोजन किया गया।
इस गरिमामय अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश शासन के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के माननीय मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाहा जी उपस्थित रहे। साथ ही जिला कलेक्टर महोदय श्रीमती रुचिका चौहान जी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।
एवं विशेष आमंत्रित अतिथि



में माननीय वरिष्ठ समाजसेवी एवं ऋद्ध एक्टिविस्ट अनूप जौहरी जी, का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के समापन उपरांत माननीय अतिथियों द्वारा सभी पैरा कबड्डी खिलाड़ियों को को प्रमाण पत्र वितरित किए गए एवं एसोसिएशन के पदाधिकारियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। इस विशेष मौके पर

खेल एवं युवा कल्याण विभाग मध्य प्रदेश की ऑफिशियल टीम ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।
कबड्डी खिलाड़ियों ने बड़-चढ़कर हिस्सा लिया। ट्रायल का उद्देश्य मध्य प्रदेश की पैरा कबड्डी टीम के लिए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन करना है। खिलाड़ियों की सुरक्षा को ध्यान में

रखते हुए मेडिकल पार्टनर - कल्याण मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल, ग्वालियर की ओर से पूरे ट्रायल के दौरान मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराई गई, जिसके लिए हॉस्पिटल प्रबंधन का आभार व्यक्त किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में मध्य प्रदेश पैरा कबड्डी संघ के कप्तान श्री अनूप परिहार, कोच श्री अरविंद शर्मा जी, पैरा कबड्डी संघ सदस्य श्री सागर दुबे, श्री आकाश पाल, श्री आशु शर्मा, सुश्री मोना उमराव, सुश्री प्रेरणा मालवीय एवं हर्षदीप दीपेन्द्र सिंह गिराज भदौरिया जी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मध्य प्रदेश पैरा कबड्डी संघ के सभी पदाधिकारियों ने आये हुए सभी अतिथियों, मीडिया बंधुओं एवं खिलाड़ियों का हार्दिक अभिनंदन एवं आभार व्यक्त किया।

छीमक मंडल की कामकाजी बैठक एवं सेवा संकल्प अभियान हुआ संपन्न

छीमक मंडल में संगठनात्मक मजबूती और सेवा संकल्प अभियान को लेकर एक महत्वपूर्ण एवं परिणामकारी कामकाजी बैठक का सफल आयोजन किया गया। बैठक के उपरांत सभी कार्यकर्ता बंधुओं ने एक साथ मिलकर स्नेहपूर्ण 'दाल टिक्कर' कार्यक्रम का आनंद लिया। कार्यक्रम में पधारे जिला अध्यक्ष (ग्वालियर ग्रामीण) आदरणीय श्री प्रेम सिंह राजपूत जी, जिला महामंत्री श्री कुलदीप यादव जी, जिला उपाध्यक्ष श्री अरुण पचौरी जी, जिला पंचायत सदस्य श्री आलोक शर्मा जी, वरिष्ठ नेता श्री धर्मेन्द्र गुर्जर जी, श्री कप्तान सिंह सहसारी जी, डबरा मंडल अध्यक्ष श्री वीरेंद्र शर्मा जी, नगर पालिका अध्यक्ष श्री बंटी राजा जी, डॉ. बलदेव चहल जी आदि।

गांधी जयंती एवं शास्त्री जयंती पर कवि सम्मेलन

ग्वालियर, जीएनएस।
गांधी णउद्यान, फूलबाग में मध्य प्रदेश काव्य धारा मंच द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के जन्मदिन के अवसर पर कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्य प्रदेश काव्य धारा मंच के अध्यक्ष नयन किशोर श्रीवास्तव ने की।
मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ नेता अशोक प्रेमी एवं हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. आदित्य खरे रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में रामसेवक शाक्यवार जी उपस्थित रहे। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में रविकांत दबंग एवं समाजसेवी प्रतिभा दुबे रहें।
अध्यक्षीय उद्बोधन में नयन किशोर श्रीवास्तव ने कहा कि गांधी जी का सत्य और अहिंसा का मार्ग

तथा शास्त्री जी की सादगी और राष्ट्रनिष्ठा आज भी समाज के लिए प्रेरणादायी है।
मुख्य अतिथि अशोक प्रेमी ने कहा कि गांधी जी और शास्त्री जी का जीवन देशसेवा और त्याग की प्रेरणा देता है।
डॉ. आदित्य खरे ने कहा कि दोनों महापुरुषों के विचार आज भी मानवता और राष्ट्रसेवा का मार्ग दिखाते हैं।
रामसेवक शाक्यवार ने कहा कि महापुरुषों की जयंती उनके विचारों को जीवन में उतारने का अवसर है।
रविकांत दबंग ने कहा कि गांधी जी के सत्य-अहिंसा और शास्त्री जी की सादगी को सदैव याद रखा जाएगा।
प्रतिभा दुबे ने कहा कि नई पीढ़ी को गांधी और शास्त्री जी के

जीवन-मूल्यों से परिचित कराना आवश्यक है।
कार्यक्रम का शानदार संचालन ऊर्जावान साहित्यकार हेमंत त्रिवेदी ने किया।
दो अक्टूबर को हुए, दोनों बने महान
बापू शास्त्री से बढ़ा, भारत का सम्मान
रविकांत श्रीवास्तव दबंग
दुनिया में एक काम अनोखा हो रहा है
अच्छे लोगों के साथ धोखा हो रहा है।
-सोयश श्रीवास्तव
बहुत लिखी होगी कविताएँ,
एक का सृजन कर लें
जन्म दिवस जन्म महापुरुषों का, उनको हम सब नमन कर लें।

हिन्दी दैनिक

श्रमसाधना

आपकी दुःख की छाड़ी में

श्रमसाधना सदैव आपके साथ है

उठावनी/रसम पगड़ी का प्रकाशन

निःशुल्क

सम्पर्क करें

ग्वालियर

0751-2625029

9074257600

शिवपुरी

07492-232149

8251071286

E-mail : shramsadhnagwl@gmail.com

निवाली जनपद में अनिता की विजय, विधायक श्याम के लिए खतरे की घंटी

संधवा (नरेंद्र तिवारी)
बड़वानी जिले की जनपद निवाली में वार्ड क्रमांक 8 के जनपद सदस्य के उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार की एक तरफा विजय ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को उत्साह से भर दिया है, इसके विपरीत भाजपा नैतृत्व एवं पानसेमल विधायक श्याम बर्डे की कार्यप्रणाली एवं विकास के दावों पर सवालिया निशान भी लगा दिया है। आखिर निवाली जनपद में भाजपा समर्थित अध्यक्ष होने, पानसेमल विधानसभा में बड़वानी जिले के एकमात्र सक्रिय, मुख्य मंत्री मोहन यादव के प्रिय माने जाने वाले भाजपा विधायक श्याम बर्डे



के होने के बावजूद कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार अनिता सोलंकी की एक तरफा जीत ने आमजनता सहित भाजपाई कार्यकर्ताओं को अपने नैतृत्व पर सवाल उठाने, विधायक श्याम बर्डे की कार्यप्रणाली एवं विकास के दावों पर प्रश्न चिन्ह लगाने का मौका दे दिया है। सूत्र बताते हैं की पानसेमल विधानसभा में भाजपा संगठन और सत्ता की लड़ाई से जूझ रही है। जमीनी कार्यकर्ताओं का कहना है की विधायक के नजदीकियों में सत्ता की मलाई खाने की होड़ मची हुई है। विधायक की कार्यप्रणाली ने संगठन के जमीनी कार्यकर्ताओं को हासिये पर ला दिया है। निवाली जनपद चुनाव का परिणाम भाजपा में चल रही सत्ता और संगठन की

लड़ाई के रूप में देखा जा रहा है। यह परिणाम विधायक श्याम बर्डे की जनता की अनदेखी का कारण भी माना जा रहा है। निवाली जनपद पंचायत की वार्ड नम्बर 8 की उक्त सीट सिताबाई तरोले के निधन के बाद रिक्त हुई थी। इस सीट पर कांग्रेस समर्थित उमीदवार अनिता सोलंकी ने भाजपा समर्थित उम्मीदवार लालबाई देवरे को 1892 मतों की एकतरफा बढ़त लेकर पराजित किया। जबकि लालबाई का प्रचार-प्रसार पानसेमल विधायक श्याम बर्डे द्वारा किया गया था, उन्होंने मतदाताओं से जनसंपर्क कर लालबाई को विजय बनाने की अपील भी की थी, उक्त उम्मीदवार की विजय को अपने लिए प्रतिष्ठा का

प्रश्न भी बना लिया था। किंतु 3 अक्टूबर को आए परिणाम में कांग्रेस पार्टी की उम्मीदवार अनिता सोलंकी को एकतरफा विजय मिलना विधायक की कमजोर पकड़ को दर्शा रहा है। उक्त चुनाव को वोटों के नजरिये से देखे तो पता चलता है की चुनाव में कुल वोट 4979 पड़े, जिसमें कांग्रेस समर्थित अनिता सोलंकी को 3376 वोट प्राप्त हुए, इसके विपरीत भाजपा समर्थित उमीदवार लालबाई देवरे को 1484 वोट प्राप्त हुए 119 मतदाताओं ने दोनों उम्मीदवार को नापसंद करते हुए नोटा को चुना। अनिता सोलंकी 1892 वोटों के अंतर से विजय हुई। इस विजय की खास बात यह है की जितने वोटों के अंतर से जीत हुई है भाजपा समर्थित

उम्मीदवार को उससे भी कम वोट प्राप्त हुए हैं। यह स्थिति मुख्यमंत्री का प्रियपात्र माने जाने वाले बड़वानी जिले के एकमात्र भाजपा विधायक श्याम बर्डे के लिए विचारणीय मानी जा रही है। एक और प्रदेश में सेवा संकल्प अभियान चल रहा है। पानसेमल विधान सभा की निवाली जनपद में भी इस अभियान के तहत शासकीय योजना के प्रचार-प्रसार और हितग्राहियों को प्रदेश और केंद्र की जनहितकारी योजनाओं के लाभ गिनाने के कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। विधायक श्याम बर्डे को पानसेमल विधान सभा में विकास हेतु मिलने वाली राशि बड़वानी जिले की अन्य तीन विधानसभा से मिलने वाली राशि से कहीं अधिक बताई जा रही है, बावजूद इसके निवाली

जनपद जहां भाजपा समर्थित जनपद अध्यक्ष काबिज है, वार्ड क्रमांक 8 में भाजपा की बुरी हार शासन की योजनाओं और विधायक श्याम बर्डे के कथित विकास की जमीनी हकीकत को उजागर करने वाले प्रतीत होते हैं। सूत्र बताते हैं की पानसेमल विधानसभा में विकास कार्यों में भाई भतीजावाद और खुली कमीशनखोरी चल रही है। निवाली सहित पानसेमल जनपद एवं नगर पंचायत में खुला भ्रष्टाचार चल रहा है। जनता को अपने काम निपटाने के लिए अफसरों की जेब गर्म करना पड़ रही है। थानों पर बिना दिए पोस्टिंग नहीं हो रही है। निवाली जनपद के परिणाम विधायक श्याम बर्डे के लिए खतरे की घंटी मानी जा रही है।

पांच प्रमुख जैन तीर्थ स्थलों के दर्शन कर डबरा लौटा जैन मिलन परिवार

डबरा, जीएनएस।
जैन मिलन डबरा द्वारा रविवार 4 अक्टूबर 2026 को एकदिवसीय धार्मिक यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में समाज के सदस्यों ने पवा जी, वासी जी, क्षेत्रपाल जी (ललितपुर), देवगढ़ जी और वापसी के दौरान करगुवा जी सहित पांच प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन किए। सुबह 6 बजे डबरा से रवाना हुआ यात्रियों का दल रात्रि करीब 11-30 बजे वापस डबरा पहुंचा। यात्रा भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय पदाधिकारी अतिवीर ऋग्भ जैन (लाला), जैन मिलन डबरा के अध्यक्ष अतिवीर दीपक जैन (निर्याँ) एवं मंत्री वीर वीरेंद्र जैन के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। यात्रा के प्रभारी वीर महावीर जैन एवं वीर रविकांत जैन रहे। यात्रा के शुभारंभ से पहले दिगंबर जैन सोशल ग्रुप डबरा के मंत्री सत्येंद्र जैन, आनंद जैन,



नितिन जैन एवं अन्य सदस्यों ने यात्रियों का तिलक लगाकर और दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया। इसके बाद बस से धार्मिक यात्रा प्रारंभ हुई। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए स्वल्पाहार, दोपहर का भोजन, चाय और रात्रि भोजन की व्यवस्था की गई। पवा जी में दोपहर का भोजन, क्षेत्रपाल जी में चाय, देवगढ़ में शाम का भोजन तथा वापसी के दौरान करगुवा जी में रात्रि की चाय कराई गई। धार्मिक यात्रा में जैन मिलन परिवार से वीर बालचंद जैन, वीर

अनिल जैन, वीर विमल जैन, वीर सुरेश जैन, वीर शीतल जैन, वीर अशोक जैन, वीर अभिषेक जैन, वीर पवन जैन एवं वीर नरेश जैन सहित जैन समाज के नितिन जैन, जीतू जैन, सेंकी जैन, अभिषेक जैन तथा अन्य समाजजन अपने परिवारों के साथ शामिल हुए। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने विभिन्न धार्मिक स्थलों के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और धार्मिक वातावरण में दिन बिताया। एकदिवसीय यात्रा के सफल आयोजन को लेकर जैन समाज के सदस्यों में उत्साह और प्रसन्नता देखने को मिली।

महाराजा अग्रसेन जयंती पर 8 से 15 अक्टूबर तक होंगे भव्य कार्यक्रम, बीएसए कॉलेज मैदान में लगेगा तीन दिवसीय मेला

मथुरा श्री महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह की तैयारियों को लेकर श्री तिलकद्वार अग्रवाल धर्मशाला में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया इस बैठक में धर्मशाला के पदाधिकारियों कार्यकारिणी सदस्यों और विशेष आमंत्रित सदस्यों ने सर्वसम्मति से आठ दिवसीय जयंती महोत्सव को भव्यता से मनाने की रूपरेखा तैयार की धर्मशाला के अध्यक्ष हरिओम अग्रवाल मांट वाले और मंत्री कृष्ण मुरारी सराफ नेताजी ने संयुक्त रूप से बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जयंती महोत्सव की शुरुआत 8 अक्टूबर को नर सेवा नारायण सेवा के साथ की जाएगी इसके बाद पूरे सप्ताह विभिन्न धार्मिक सामाजिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे ?8 अक्टूबर नर सेवा नारायण सेवा के साथ महोत्सव का शुभारंभ ?9 अक्टूबर श्री तिलकद्वार अग्रवाल धर्मशाला में निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन ?10



अक्टूबर पूर्व संध्या यमुना पार लक्ष्मी नगर स्थित अग्रसेन घाट पर भव्य दीपदान रंगोली सजाओ दीप जलाओ कार्यक्रम तथा भजन संख्या ?11 अक्टूबर कलश यात्रा का भव्य स्वागत अग्रसेन चौक पर पुष्पांजलि होली गेट अग्रवाल धर्मशाला पर ध्वजारोहण हवन सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं वरिष्ठ जन सम्मान समारोह ?12 अक्टूबर श्री महाराजा अग्रसेन जी की भव्य शोभायात्रा का तिलकद्वार अग्रवाल धर्मशाला पर भव्य स्वागत मुख्य निर्वाचन अधिकारी जयंती प्रसाद अग्रवाल ने जानकारी दी कि 13 व 14 और 15 अक्टूबर को बीएसए कॉलेज के मैदान में तीन दिवसीय भव्य अग्रसेन मेले का आयोजन किया जाएगा उन्होंने पूरे अग्रवाल समाज

से सभी कार्यक्रमों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की है पूर्व मुख्य मीडिया प्रभारी राजीव मित्तल सोनू ने बताया कि आठ दिवसीय जयंती महोत्सव को ऐतिहासिक और अभूतपूर्व बनाने के लिए सभी संयोजक पूरे मनोयोग से अपनी जिम्मेदारियां संभाल रहे हैं बैठक में मुख्य रूप से तिलकद्वार अग्रवाल धर्मशाला समिति के उपाध्यक्ष शिव कुमार अग्रवाल कोषाध्यक्ष मुकेश अग्रवाल कोसी जयंती संयोजक किशोर मित्तल संदीप अडुकी अग्रवाल सभा के अध्यक्ष अशोक बंसल प्रधानमंत्री सुभाष सिक्कारजनीश चौधरी शोभायात्रा संयोजक रोहित एटा रवि कैटर्स विनोद सिंघल और विभोर अग्रवाल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

यम चतुर्दशी पर पोरसा में 5100 दीपों से जगमगाएगा मुक्तिधाम

पोरसा, जीएनएस।
अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त मुक्तिधाम पोरसा में आगामी 7 नवंबर को यम चतुर्दशी के अवसर पर विशाल दीपदान महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर मुक्तिधाम परिसर में 5100 दीपक प्रज्वलित कर दीपदान किया जाएगा। धार्मिक आस्था और सनातन परंपराओं से जुड़े इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। दीपदान महोत्सव का आयोजन अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त मुक्तिधाम पोरसा के रचनाकार एवं समाजसेवी डॉ. अनिल गुप्ता के सानिध्य में किया जाएगा। आयोजन का उद्देश्य सनातन परंपरा में वर्णित दीपदान की महत्ता को जन-जन तक पहुंचाना तथा पितरों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करना है। **यम चतुर्दशी पर दीपदान का क्या है महत्व?** सनातन धार्मिक परंपरा में कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को

नरक चतुर्दशी, यम चतुर्दशी और छोटी दीपावली जैसे नामों से जाना जाता है। इस दिन भगवान यमराज के निमित्त दीप प्रज्वलित करने, यम तर्पण करने तथा घर और आसपास दीप जलाने की परंपरा कई क्षेत्रों में प्रचलित है। धार्मिक ग्रंथों में इस अवसर पर दीपदान और यम तर्पण का उल्लेख मिलता है। धर्मसिंधु में नरक चतुर्दशी के अवसर पर यम तर्पण और चतुर्दशी की प्रदोष बेला में दीप प्रज्वलित करने की परंपरा का उल्लेख मिलता है। वहीं स्कंद पुराण से संबंधित उपलब्ध पाठों में चतुर्दशी के अवसर पर दीपदान को पितरों से जुड़े धार्मिक संदर्भों के साथ जोड़ा गया है। हिंदू धार्मिक मान्यता के अनुसार दीपक प्रकाश, सकारात्मकता और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक माना जाता है। यम चतुर्दशी पर श्रद्धापूर्वक दीपदान करने से पितरों की शांति और संतुष्टि प्राप्त होने तथा परिवार पर पूर्वजों का आशीर्वाद बने रहने की मान्यता है।

स्कंद पुराण के उपलब्ध पाठ में चतुर्दशी के दिन नरक निवारण के उद्देश्य से दीप अर्पित करने तथा पितृगण के संबंध में धार्मिक फल का उल्लेख मिलता है। इसी धार्मिक विश्वास के चलते यम चतुर्दशी पर दीपदान को केवल दीप जलाने की परंपरा नहीं, बल्कि पूर्वजों के प्रति श्रद्धा, स्मरण और कृतज्ञता प्रकट करने का माध्यम भी माना जाता है। **दीपदान से जुड़े माने जाने वाले धार्मिक लाभ:** धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यम चतुर्दशी पर श्रद्धा के साथ दीपदान करने से—
- पितरों की शांति और संतुष्टि की कामना की जाती है।
- परिवार पर पितरों का आशीर्वाद बना रहने की धार्मिक मान्यता है।
- घर में सुख-शांति और सकारात्मक वातावरण की कामना की जाती है।
- यमराज की आराधना के माध्यम से अकाल मृत्यु के भय से मुक्ति की प्रार्थना की जाती है।

- परिवार की समृद्धि, कल्याण और मंगल की कामना की जाती है।
- दीपदान को अंधकार पर प्रकाश और नकारात्मकता पर सकारात्मकता की विजय के प्रतीक के रूप में देखा जाता है।
इन लाभों को धार्मिक आस्था और मान्यता के रूप में समझना चाहिए; इन्हें वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित परिणाम के रूप में प्रस्तुत नहीं किया जाता।
यम चतुर्दशी के अवसर पर केवल दीपदान ही नहीं, बल्कि यम तर्पण की भी परंपरा है। धार्मिक विधि में यमराज के विभिन्न नामों का स्मरण करते हुए तिल मिश्रित जल से तर्पण करने का उल्लेख मिलता है। इस परंपरा का मूल भाव मृत्यु के देवता यमराज के प्रति श्रद्धा, जीवन की नश्वरता का स्मरण तथा अपने पूर्वजों के प्रति सम्मान व्यक्त करना है। यही कारण है कि यम चतुर्दशी का दिन दीपदान और पितृ-स्मरण की दृष्टि से विशेष माना जाता है।

अग्रसेन जयंती महोत्सव का हुआ भव्य शुभारंभ



गुना, जीएनएस।
अग्रवाल धर्मशाला में अग्रकुल प्रवर्तक महाराजा श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव का भव्य एवं गरिमामयी शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर अग्रवाल समाज के पदाधिकारियों द्वारा प्रथम पूज्य देव श्री गणेश जी का कुलदेवी महालक्ष्मी महारानी का एवं महाराजा श्री अग्रसेन का मंत्रोच्चार एवं विधि विधान के साथ पूजन अर्चन किया गया तदुपरांत पदाधिकारियों द्वारा ध्वजारोहण किया गया। महाराजा श्री अग्रसेन जी की 5150 वी जयंती समाज के प्रत्येक संगठन द्वारा संपूर्ण समर्पण भाव से मनाई

जा रही है जिसमें आठ दिनों तक अनवरत धार्मिक, सामाजिक, पारमार्थिक एवं मनोरंजक कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। इस दौरान समाज के वरिष्ठ जनों, महिला शक्ति, युवा वर्ग के साथ साथ अग्रवाल ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रदीप मित्तल, सचिव अनिल गर्ग, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश सिंघल, उपाध्यक्ष जगमोहन बंसल, संग्राहक मनोज बिंदल, महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती नीलम बिंदल एवं सचिव श्रीमती स्वाती अग्रवाल उपस्थित रहें। कार्यक्रम में अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश अग्रवाल एवं बमौरी विधायक ऋषि अग्रवाल द्वारा भी पूजन अर्चन किया गया। महाराजा श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव शुभारंभ के दौरान समाज के पदाधिकारियों द्वारा सभी समाज बंधुओं से सभी कार्यक्रमों में भागीदारी करने हेतु भी अपील की गई।



जीते जी जिनको दिया, तानों का उपहार।
मरने पर तस्वीर को, चढ़ते फूल हजार।
बाप पसीना बेचकर, करता घर आबाद।
आज बुढ़ापे में उसे, बेटे करें न याद।
जीवन भर जो पालते, रखकर अपनी भूख।
उनके हिस्से छोड़ दी, बुढ़ाश्रम की रूख।
जीते जी दो रोटीयाँ, दे न सके परिवार।
श्राद्ध दिवस पर भोज का, करते हैं विस्तार।
सेवा में माँ-बाप की, जितना सच्चा प्यार।
उतना ही पावन बने, पूजा और% व्यवहार।
तीर्थ गए संसार में, खोज रहे भगवान।
घर बैठे माँ-बाप में, छूटा सच्चा ज्ञान।
पिंड चढ़ाकर सोचते, मिल जाएगा मोक्ष।
जीते जी माँ-बाप के, रहते कष्ट परोक्ष।
धन-दौलत के मोह में, रिश्ते गए बिसार।
अब बूढ़े माँ-बाप के, सुने पड़ते द्वार।
श्राद्ध नहीं बस अन्न है, श्राद्ध नहीं बस दान।
सेवा है माँ-बाप की, सच्चा पुण्य महान।
माँ की ममता भूलकर, दुनिया में क्या जीत।
जिस घर में ये न हँसे, कैसी सौभाग्य प्रीत।
जीवन भर जो बाँटते, सब बच्चों में प्यार।
उन्हें बुढ़ापे में मिले, थोड़ा सा सत्कार।
कोवे को भोजन दिया, ब्राह्मण को उपहार।
माँ-बापों की भूख पर, क्यों न आया प्यार।
कर्मकांड से क्या मिले, यदि मन में हो खोट।
जीते जी सेवा करो, यही धर्म की ओट।
माँ-बापों के चरण में, सारे तीर्थ निवास।
जीते जी सेवा करो, यह सच्चा विश्वास।
डॉ. सत्यवान सौरभ

तिरंगे की शान में भारत की पहचान...!

नीले आसमान में लहराया, तिरंगे का अभिमान,
खेलों के इस महाकुंभ में, चमक रहा हिंदुस्तान।
मेहनत की हर एक बूंद ने, इतिहास नया रचाया,
इक्कीस स्वर्ण पदकों ने, भारत का मान बढ़ाया।
हॉकी के मैदान में फिर गूंज उठा भारत का नाम,
मलेशिया को %हरा%, खिलाड़ियों ने किया कमाल।
पाँच-एक की शानदार जीत तिरंगे की है पहचान,
हर गोल के साथ बढ़ते गया देश का स्वाभिमान।
यू कभी कुश्ती के अखाड़े में, दमखम दिखाते हैं,
कभी हॉकी की स्टिक से, प्रतिद्वंद्वी को हराते हैं।
अमन की मेहनत ने भी ये दुनिया को दिखलाया,
संघर्षों की राह पे चलकर, स्वर्णिम मुकाम पाया।
(संदर्भ - एशियाई खेलों में भारत की शानदार जीत)
संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)

ओछा और पार्वती बडौदा में स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित

झ्योपुर। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा सेवा संकल्प अभियान के तहत नवांकुर संस्था भोलेनाथ समग्र विकास समिति ओछापुरा के सहयोग से ग्राम विकास प्रसफुटन समिति ओछा द्वारा स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन कर मां कंकाली देवी के मंदिर परिसर में साफ सफाई का कार्य किया गया। इस अवसर पर जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक श्रीती नेहा सिंह ने बताया कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है हमें हमारे शरीर को स्वस्थ रखना है हमें बीमारियों से यदि दूरी बनाये रखना है तो हमें हमारे आसपास के परिवेश को स्वच्छ बनाये रखना होगा। साथ ही इस स्वच्छता की पहल से जन जन को जोड़ना होगा। ब्लॉक समन्वयक श्रीमती नीतू गौतम ने स्वच्छता एवं नशा मुक्ति की शपथ दिलाई साथ ही आभार व्यक्त किया गया।

कहानी बदलाव की: एम.कॉम पास वीरपाल को PMEGP योजना ने बनाया सफल उद्यमी, स्थापित की आटा चक्की और मसाला प्लांट

शिवपुरी, जीएनएस।

रोजगार की तलाश कर रहे शिक्षित युवाओं के लिए शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं वरदान साबित हो रही हैं। शिवपुरी जिले के वार्ड क्रमांक 39, ठकुरपुरा निवासी श्री वीरपाल जाटव की कहानी इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। उच्च शिक्षा में एम.कॉम की डिग्री हासिल करने के बावजूद जब उन्हें रोजगार की कोई ठोस राह नजर नहीं आ रही थी, तब शासन की योजना ने उनके जीवन में उम्मीद की एक नई

किरण जगाई और उन्हें एक सफल व्यवसायी बना दिया। समाचार पत्रों के माध्यम से वीरपाल को केंद्र शासन की प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम% (कृषकृतक) योजना के बारे में जानकारी मिली। उन्होंने स्वयं का व्यवसाय शुरू करने का निर्णय लिया और जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, शिवपुरी के अधिकारियों से संपर्क किया। अधिकारियों के सही मार्गदर्शन में उन्होंने ऑनलाइन आवेदन एवं आवश्यक दस्तावेज जमा किए।

प्रक्रिया पूरी होने के बाद बैंक ऑफ इंडिया, शिवपुरी शाखा द्वारा समस्त औपचारिकताएँ पूर्ण कर उन्हें 15 लाख रुपये की ऋण राशि स्वीकृत की गई, जिस पर योजनांतर्गत 2.78 लाख रुपये की अनुदान (सब्सिडी) राशि भी प्रदान की गई। वीरपाल ने अपनी इकाई %अन्नपूर्णा ट्रेडिंग कंपनी% के अंतर्गत आटा चक्की एवं आधुनिक मसाला प्लांट का व्यावसायिक उत्पादन सफलतापूर्वक प्रारंभ किया। गुणवत्तापूर्ण उत्पादन और

अपनी मेहनत के दम पर उनका यह व्यवसाय तेजी से बढ़ा। वर्तमान में उनकी इस इकाई का वार्षिक टर्नओवर लगभग 20 लाख रुपये तक पहुँच चुका है। **आत्मनिर्भरता के साथ 5 स्थानीय युवाओं को दिया रोजगार:** वीरपाल जाटव न केवल खुद आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बने हैं, बल्कि वे समाज के अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत बने हैं। अपनी इस प्रोसेसिंग यूनिट के माध्यम से वे 5 स्थानीय व्यक्तियों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार

प्रदान कर रहे हैं। एक समय नौकरी की तलाश में भटकने वाले एम.कॉम पास युवा आज खुद रोजगारदाता बनकर अपने परिवार का पालन-पोषण सम्मानजनक तरीके से कर रहे हैं। अपनी इस उल्लेखनीय उपलब्धि और आर्थिक बदलाव पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए वीरपाल जाटव कहते हैं कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम ने उनके सपनों को नए पंख दिए हैं। वे आज अपने आत्मनिर्भर जीवन से बेहद खुश हैं।

ग्राम मऊ में माफी की भूमि से हटाया अतिक्रमण

दो करोड़ रुपए से अधिक बाजार मूल्य की शासकीय भूमि कराई अतिक्रमण मुक्त

ग्वालियर, जीएनएस।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर जिले में शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की कड़ी में सोमवार को ग्राम मऊ में माफी स्थान बाबा कपूर की भूमि से 2900 वर्गफुट पर पक्का एवं 15 हजार वर्गफुट पर मकान सामग्री ईंट, रेत आदि रखकर किए गए कब्जे को जिला प्रशासन, पुलिस एवं नगर निगम की टीम द्वारा अतिक्रमण मुक्त कराया गया। लगभग 2 करोड़ रुपए बाजार मूल्य की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री प्रदीप तोमर के नेतृत्व में तहसीलदार



पुरानी छावनी श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर जिले में शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की कड़ी में सोमवार को ग्राम मऊ में माफी स्थान बाबा कपूर की भूमि से 2900 वर्गफुट पर पक्का एवं 15 हजार वर्गफुट पर मकान सामग्री ईंट, रेत आदि रखकर किए गए कब्जे को मुक्त कराया गया। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व

श्री प्रदीप तोमर ने बताया कि विक्रम दांतरे पुत्र राजेन्द्र प्रसाद, गीता शर्मा पत्नी रामप्रकाश, संजू पत्नी कैलाश नारायण के द्वारा पक्का निर्माण कर व्यवसायिक दुकानों का निर्माण कर लिया गया था। प्रशासन द्वारा कार्रवाई कर अतिक्रमण हटाया गया। अतिक्रमण से मुक्त कराई गई भूमि का बाजार मूल्य लगभग 2 करोड़ रुपए है।

नशा मुक्ति भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

नशा मुक्ति भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन महारानी लक्ष्मीबाई कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजन किया गया नशे के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्परिणाम पर विशेषज्ञ व्याख्यान के तहत प्रोफेसर विष्णु कुमार अग्रवाल प्रोफेसर देवन्द्र ठाकुर प्रोफेसर ज्योत्सना राजपूत प्रोफेसर शशिकला राठौर ने युवाओं को नशे से दूर रहने हेतु उद्बोधन दिया प्रोफेसर विष्णु कुमार अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि नशा समाज पर एक गंभीर और नकारात्मक प्रभाव डालता है जिससे पारिवारिक विघटन और आपराधिक गतिविधियों में वृद्धि

होती है स्वास्थ्य सेवाओं पर असर पड़ता है जिससे आर्थिक स्थिति गड़बड़ा जाती है प्रोफेसर देवन्द्र ठाकुर ने बताया कि नशे के कारण आपसी झगड़े घरेलू हिंसा और परिवारों में अलगाव की प्रवृत्ति बढ़ रही है प्रोफेसर ज्योत्सना राजपूत ने बताया कि बार-बार नशा करने से दिमाग का प्राकृतिक रिवॉई सिस्टम गड़बड़ा जाता है व्यक्ति को सामान्य चीजों और गतिविधियों से खुशी मिलना बंद हो जाती है प्रोफेसर शशि कला राठौर ने अपने उद्बोधन में कहा कि नशा समाज के लिए एक अभिशाप है क्योंकि यह व्यक्ति के स्वास्थ्य परिवार और देश की प्रगति को दीमक की तरह खोखला कर रहा है इस अवसर पर उपस्थित छात्र-छात्राओं ने नशा न करने की शपथ भी ली।

न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी के लिए पंजीयन 17 अक्टूबर तक

शिवपुरी, जीएनएस।

भारत सरकार की प्राइस सपोर्ट स्कीम के अंतर्गत वर्ष 2026 (विपणन वर्ष 2026-27) में खरीफ सोयाबीन फसल को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी के लिए जिले में पंजीयन की प्रक्रिया 17 अक्टूबर 2026 तक संचालित की जाएगी। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार जिला उपार्जन समिति द्वारा किसानों की सुविधा हेतु जिले के

विभिन्न क्षेत्रों में पंजीयन केंद्रों की स्थापना की गई है। जिले में स्थापित किए गए 17 उपार्जन व पंजीयन केंद्र उप संचालक, किसान कल्याण तथा कृषि विकास श्री मुनेश कुमार शाक्य ने बताया है कि जिला उपार्जन समिति द्वारा किसानों की सहूलियत के लिए सेवा सहकारी संस्था गढीबरीद, सेवा सहकारी संस्था शिवपुरी, सेवा सहकारी संस्था बमरा, सेवा सहकारी संस्था भटनावर, सेवा

सहकारी संस्था दुल्हारा, सेवा सहकारी संस्था झिरी, सेवा सहकारी संस्था पोहरी, सेवा सहकारी संस्था एंचवाडा, सेवा सहकारी संस्था बूढ़दा, विपणन सहकारी संस्था कोलारस, सेवा सहकारी संस्था खतौरा, सेवा सहकारी संस्था कुटवारा, सेवा सहकारी संस्था कालीपहाड़ी, सेवा सहकारी संस्था पिछोर, विपणन सहकारी संस्था खनियाधाना एवं सेवा सहकारी संस्था मुहारीकला में पंजीयन केंद्रों

की स्थापना की गई है। **निःशुल्क एवं वैकल्पिक पंजीयन सुविधाओं की व्यवस्था:** कृषि विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि शासन द्वारा निर्धारित उपार्जन केंद्रों पर किसानों की सोयाबीन फसल का पंजीयन पूरी तरह से निःशुल्क किया जाएगा। इसके अतिरिक्त किसान भाई अपनी सुविधानुसार ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत एवं तहसील कार्यालयों में स्थापित शासकीय सुविधा केंद्रों पर भी समय-सीमा के भीतर जाकर पंजीयन करा सकते हैं। निःशुल्क केंद्रों

के अलावा जो किसान अन्य माध्यमों से पंजीयन कराना चाहते हैं, उनके लिए भी विकल्प उपलब्ध कराए गए हैं। कृषक अपनी सोयाबीन फसल का पंजीयन एमपी ऑनलाइन, कियोस्क, कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केंद्र तथा निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे पर निर्धारित सुविधा शुल्क का भुगतान करके भी करा सकेंगे। कृषि विभाग ने जिले के समस्त सोयाबीन उत्पादक कृषकों से समय-सीमा के भीतर पंजीयन कराने की अपील की है।

ज्योति प्रजापति बनीं RSS ब्यूटी पार्लर एसोसिएशन की आगरा जिला अध्यक्ष

आगरा, जीएनएस।

RSS ब्यूटी पार्लर एसोसिएशन में संगठन के विस्तार और नई जिम्मेदारियों के क्रम में ज्योति प्रजापति को आगरा जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति डायरेक्टर नीरज जैन के अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्मला त्रिपाठी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विजया पालीवाल, राष्ट्रीय सचिव सीमा जैन एवं आगरा अध्यक्ष ज्योति तिवारी की सर्वसम्मति से की गई। नियुक्ति के बाद फोन पर बातचीत में ज्योति प्रजापति ने बताया कि वह एक इंटरनेशनल मेकअप आर्टिस्ट हैं और उनका सफर संघर्ष, मेहनत और आत्मविश्वास की प्रेरणादायक कहानी है।



ज्योति प्रजापति ने बताया कि एक समय उनकी आर्थिक परिस्थितियां आसान नहीं थीं। उन्होंने वर्ष 2006 में मात्र 100 रुपये से अपने सफर की शुरुआत की। वर्ष 2009 में उन्होंने ब्यूटी इंडस्ट्री को अपने करियर के रूप में चुना और एक छोटे से पार्लर से शुरू हुआ उनका सफर धीरे-धीरे एक मजबूत पहचान तक पहुंचा। आगरा आने के बाद उन्होंने कई वर्षों तक अलग-अलग स्थानों पर काम करते हुए अपने हुनर को निखारा। शादी और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बावजूद उन्होंने अपने करियर को कभी पीछे नहीं छोड़ा। छोटे बच्चों की जिम्मेदारी के बीच भी

उन्होंने अपने काम और सपनों को जारी रखा। अपने हुनर को लगातार बेहतर बनाने के लिए उन्होंने दिल्ली में निशा लांबा से कोर्स किया और इसके बाद दुबई जाकर अंतरराष्ट्रीय स्तर की मेकअप तकनीक सीखी। आज उनके पास ब्यूटी इंडस्ट्री का लगभग 17 वर्षों का अनुभव है। उन्हें हेयर एक्सटेंशन, आईलैशेश, परमानेंट आइब्रो, परमानेंट नेल एक्सटेंशन एवं केमिकल वर्क सहित ब्यूटी इंडस्ट्री की विभिन्न तकनीकों का अच्छा अनुभव है। ज्योति प्रजापति का सफर केवल अपनी पहचान बनाने तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने अब तक लगभग 500 छात्राओं को प्रशिक्षण दिया है और करीब

1000 दुल्हनों को ब्राइडल मेकअप से तैयार कर चुकी हैं। अलग-अलग जिलों में काम करते हुए उनका प्रयास रहा है कि नई प्रतिभाओं को अवसर मिले और वे ब्यूटी इंडस्ट्री में आगे बढ़ सकें। ज्योति प्रजापति का मानना है कि परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि इंसान अपने हुनर और मेहनत का साथ नहीं छोड़ता तो एक दिन वही संघर्ष उसकी पहचान बन जाता है। उनका सफर उन महिलाओं के लिए प्रेरणा है, जो अपनी परिस्थितियों को अपने करियर की ताकत में बदलना चाहती हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार को देते हुए कहा कि 'मेरे आगे बढ़ने में सबसे बड़ा सपोर्ट मेरे पति और मेरे बच्चों का रहा है।



नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री



डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री

सीएम यूथ कॉन्क्लेव 2026

युवा सोच, नये अवसर, एक साझा मंच

प्रख्यात गायक
जुबिन नौटियाल
एवं कबीर कैफे बैंड
द्वारा
भव्य लाइव प्रस्तुति
प्रातः 10:00 बजे

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
के साथ

6 अक्टूबर, 2026 | पूर्वाह्न 11:00 बजे
लाल परेड ग्राउंड, भोपाल

70+ स्टॉल, 15 विभागों की संयुक्त भागीदारी
युवाओं को अवसर, कौशल, रोज़गार, नवाचार एवं संभावनाओं से जोड़ने हेतु समर्पित मंच

स्टार्टअप एवं उद्यमिता
युवा उद्यमियों के फार्मास्युटिकल, मैनुफैक्चरिंग, AI/मशीन लर्निंग और फूड प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों के स्टार्टअप्स की सहभागिता एवं प्रस्तुति

युवा नवाचार एवं प्रदर्शनी
AI, साइबर सिक्योरिटी, ड्रोन टेक्नोलॉजी, विज्ञान एवं नवाचार, कृषि क्षेत्र में रोज़गार, फ्यूचर रेडी एजुकेशन और टेक्नोलॉजी पर केन्द्रित

सार्वजनिक एवं निजी विश्वविद्यालयों की सहभागिता
विश्वविद्यालयों द्वारा कैरियर मार्गदर्शन, नवाचार, उद्यमिता, तकनीकी शिक्षा एवं रोज़गार के अवसरों की जानकारी

कैरियर एवं कौशल के अवसर
कौशल विकास, कैरियर मार्गदर्शन और रोज़गार से जुड़ी जानकारी एक ही स्थान पर

शासकीय योजनाओं की जानकारी
पात्रता, पंजीयन, आवेदन प्रक्रिया, प्रशिक्षण और उपलब्ध सुविधाओं से संबंधित स्टॉल

सीधा प्रसारण

f @Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh

@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP

YouTube JansamparkMP

D-11136/26

भाषा: हिंदी | तारीख: 06/10/2026